

सेवा संकल्प अभियान के जरिए गांव-गांव पहुंचेगी भाजपा, 17 सितंबर से एक माह चलेंगे सेवा कार्यक्रम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा जिला इंदौर ग्रामीण द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत सेवा, जनकल्याण और सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी को लेकर रविवार को जिला भाजपा की कार्यशाला सह कार्यसमिति बैठक आयोजित हुई, जिसमें अभियान की रूपरेखा और संगठन की आगामी गतिविधियों पर कार्यकर्ताओं के साथ विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने की। उन्होंने स्वागत भाषण में सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों और प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि



भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। कार्यकर्ताओं के परिश्रम और समर्पण के दम पर ही भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। उन्होंने कहा कि देश की आत्मा गांवों में बसती है और किसानों तथा अन्नदाताओं के हित में सरकार लगातार काम कर रही है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। सिलावट ने प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी कार्यकर्ताओं को दी। सांसद शंकर लालवानी ने केंद्र सरकार की

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई दो दिनों में एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अवैध मदिरा की 1000 से अधिक पेटियां जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत जिले में अवैध मदिरा के क्रय-विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आबकारी विभाग द्वारा लगातार दो दिनों में दो बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध मदिरा की 1000 से अधिक पेटियां जब्त की गई हैं। जब्त मदिरा की अनुमानित कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक है।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेशानुसार तथा सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में आबकारी विभाग की टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई में कंट्रोलर श्री कमलेश सोलंकी, डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल एवं एडीईओ श्रीमती निधि शर्मा सहित आबकारी विभाग की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बायपास क्षेत्र में 55 लाख रुपये की मदिरा जब्त- आबकारी विभाग की टीम द्वारा गत दिवस गश्त के दौरान बायपास क्षेत्र में एक संदिग्ध कंटेनर की जांच की गई। जांच के दौरान कंटेनर से हरियाणा/पंजाब निर्मित मदिरा की 500 से अधिक पेटियां बरामद हुईं। बरामद मदिरा की अनुमानित कीमत करीब 55 लाख रुपये है।

मदिरा को जब्त कर कंटेनर को अभिरक्षार्थ में लिया गया तथा उक्त मामले में वाहन चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई है।

देव नगर क्षेत्र में 500 पेट्री मदिरा बरामद- इसी क्रम में दूसरी कार्रवाई देव नगर क्षेत्र में पंचमुखी हनुमान मंदिर से आरटीओ की ओर जाने वाले मार्ग पर की गई। आबकारी दल द्वारा संदिग्ध वाहन एस बूस्टर प्लस आयशर क्रमॉक स्कू09 त। 2370 की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से PARIIS ROSE PREMIUM WHISKEY, 180 एमएल धारिता के पाव की करीब 500 पेटियां बरामद की गईं। बरामद मदिरा की अनुमानित कीमत करीब 45 लाख रुपये है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर सेवा संकल्प अभियान को भव्यता और दिव्यता के साथ मनाएं : कैलाश विजयवर्गीय

भाजपा की पहली नगर कार्यसमिति बैठक में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक होने वाले आयोजनों की रूपरेखा तय



भारत आज विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। विजयवर्गीय ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर सेवा संकल्प अभियान के तहत होने वाले सभी कार्यक्रमों को पूरी भव्यता और दिव्यता के साथ आयोजित करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से लाभाधिक्यों के घर-घर जाकर संपर्क और संवाद करने तथा उन्हें केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी देने की अपील की।

मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के लोकप्रिय नेता और भारत के सशक्त प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी हमारे राष्ट्र का गौरव हैं और उन्होंने भारत माता के सम्मान को बढ़ाने का काम किया है। भाजपा उनके जन्मदिवस पर सेवा का संकल्प लेकर जनता के बीच पहुंचती है और सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री के कार्यों को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान के तहत 13 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें आशीर्वाद का दीया, मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता, नमो सेवा गाथा, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, बड़नगर से वाराणसी यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, सरकार आपके द्वार, रंगोली राष्ट्र और जनसेवा महाकुर्च पंचायत से पार्लियामेंट जैसे आयोजन शामिल हैं।

गोगा नवमी पर सफाई मित्रों के अवकाश के दौरान इंदौर वासियों ने संभाली स्वच्छता की कमान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गोगा नवमी पर्व पर नगर निगम के सफाई मित्रों के अवकाश के दौरान शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने के लिए इंदौरवासियों ने स्वच्छता की कमान संभाली। नगर निगम द्वारा शुरू किए गए 'हम भी स्वच्छताग्राही- अभियान के तहत रविवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं, रहवासी संगठनों और नागरिकों ने स्वच्छता अभियान चलाया।

महापौर पुष्पमित्र भार्गव और निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने राजवाड़ा से स्वच्छता महा जनभागीदारी अभियान की शुरुआत की। दोनों ने राजवाड़ा उद्यान और परिसर में स्वयं झाड़ू लगाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी स्वच्छता अभियान में सहभागिता की।

महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने कहा कि गोगा नवमी के अवसर पर सफाई मित्रों का अवकाश है और ऐसे में शहर को स्वच्छ रखना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सफाई मित्रों के सम्मान में नागरिक भी स्वच्छताग्राही बनकर अपनी गली, मोहल्ले, बगीचे और चौराहों की सफाई की जिम्मेदारी संभालें। उन्होंने कहा कि इंदौर जनभागीदारी से चलता है और यही जनभागीदारी



उतरे और शहर को स्वच्छ रखने में योगदान दें। उन्होंने नागरिकों से अपने गली-मोहल्ले, वाई, शोन और क्षेत्र में 'हम भी स्वच्छताग्राही- अभियान से जुड़कर जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता अभियान को सफल बनाने की अपील की।

अभियान के तहत शहर के विभिन्न स्थानों पर आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई, यूको बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, मार्फेट एसोसिएशन, लायंस क्लब, एनएसएस, एनसीसी, बीएसएस, 15वीं बटालियन, स्वयंसेवक संघ, टीम बेसिक्स, टीम ड्रिवाइन, टीम एचएमएस, म्यूज और टीम एफएफसीटी सहित विभिन्न संस्थाओं ने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। रहवासी, सामाजिक और धार्मिक संगठनों के साथ सिख समाज एवं अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।

इस अवसर पर महापौर परिषद सदस्य एवं स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल, निरंजन सिंह चौहान, सचेतक कमल वाघेला, क्षेत्रीय पार्षद रूपाली पेंढारकर, कंचन गिदवानी, अपर आयुक्त प्रखर सिंह, ओपी जायसवाल ग्रुप सहित विभिन्न सामाजिक एवं अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सिम्हस्थ-2028 की तैयारियों को लेकर रेलवे बोर्ड अध्यक्ष ने इंदौर-उज्जैन क्षेत्र का किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने रविवार को इंदौर और उज्जैन क्षेत्र में रेलवे के विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का व्यापक निरीक्षण और समीक्षा की। सिम्हस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए उन्होंने यात्री सुविधाओं, स्टेशन विकास, परिचालन क्षमता और अधोसंरचना से जुड़े कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

रेलवे बोर्ड अध्यक्ष ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय, रतलाम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार सहित मंडल और निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान इंदौर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास, शास्त्री ब्रिज सहित विभिन्न परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी ली गई। उन्होंने कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और समय-सीमा की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एमडी ड्रस तस्करी का फरार आरोपी गब्बर उर्फ राजकुमार लावरे गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रस की तस्करी के मामले में फरार चल रहे आरोपी गब्बर उर्फ राजकुमार लावरे को क्राइम ब्रांच इंदौर ने गिरफ्तार किया है। आरोपी जिला देवास का निवासी है और स्वयं की कपड़े की दुकान संचालित करता है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। मामले में आरोपी से मादक पदार्थों के नेटवर्क, खरीदारों और अन्य सत्यायों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

क्राइम ब्रांच के अनुसार 31 मई 2026 को टीम ने स्क्रीम नंबर 134 स्थित फरीदाबाग कब्रिस्तान से लगी रोड पर पानी की टंकी के पास घेराबंदी कर सरफराज उर्फ शम्भु निवासी अलंकार मार्केट, देवास और अमन उर्फ सलमान निवासी उज्जैन रोड, देवास को गिरफ्तार किया था। दोनों के कब्जे से 30.02 ग्राम अवैध एमडी ड्रस और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए थे। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपए, जबकि कुल मशरूका करीब 4 लाख रुपए



बताया गया है।

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों से फरार सह-आरोपी गब्बर उर्फ राजकुमार लावरे की सलिसता सामने आई थी। इसके बाद प्रकरण में धारा 8/29 एनडीपीएस एक्ट का इजाफा किया गया। क्राइम ब्रांच की टीम लगातार आरोपी की तलाश में जुटी थी। इसी क्रम में 6 सितंबर 2026 को पुलिस ने गब्बर उर्फ राजकुमार लावरे को गिरफ्तार कर लिया।

मामला अपराध क्रमांक 0080/2026 के तहत धारा 8/22 और 8/29 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज है। पुलिस अब आरोपी से गिरोह के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज के साथ ही मादक पदार्थों की सप्लाई, खरीदारों और गिरफ्तार कर लिया।

मामला अपराध क्रमांक 0080/2026 के तहत धारा 8/22 और 8/29 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज है। पुलिस अब आरोपी से गिरोह के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज के साथ ही मादक पदार्थों की सप्लाई, खरीदारों और गिरफ्तार कर लिया।

संभागायुक्त ने ली विभिन्न विभागों की परिचयात्मक समीक्षा बैठक

स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना अंतर्गत प्रशिक्षण कराने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री भास्कर लाक्षाकार ने इंदौर संभाग के धार जिला कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में विभिन्न विभागों की परिचयात्मक समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभागवार योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा आमजन को समय-सीमा में सेवाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में धार कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना, पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा, वनमण्डलाधिकारी श्री विजयानंथम टी.आर. सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने बैठक में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान की समीक्षा करते हुए अभियान के अंतर्गत किए गए निराकरण का संबंधित अधिकारियों के माध्यम से फॉलोअप लिए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक सेवा गारंटी अभिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरणों को निर्धारित समय-सीमा में निराकृत करने को कहा।

स्वच्छ भारत मिशन एवं आजीविका गतिविधियों पर विशेष ध्यान- पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने क्रेडिट लिंकेज पर विशेष फोकस करने को कहा, ताकि स्व-सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि की जा सके।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने पेशन योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि योजनाओं से संबंधित कोई भी प्रकरण ग्राम पंचायत स्तर पर लंबित नहीं रहना चाहिए। आवेदन प्राप्त होने के 48 घंटे के भीतर उसे पोर्टल पर अपलोड किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

संबल पंजीयन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उनका शीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी दिए।

हितग्राहियों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिले- आयुष विभाग की समीक्षा में एड ऑन थैरेपी के तहत दवाइयों के वितरण की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि हितग्राहियों को दवाइयां वास्तविक रूप से प्राप्त हो रही हैं या नहीं, इसका वेरिफिकेशन भी सुनिश्चित किया जाए।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत लाड़ली योजना की समीक्षा की गई। मातृ वंदना योजना के अंतर्गत प्राप्त प्रकरणों एवं प्रगति का विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा के दौरान वन अधिकार पत्रों के लंबित प्रकरणों की जानकारी ली गई तथा पात्र प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए। टट्ट्या मामा आर्थिक योजना की प्रगति की भी जानकारी प्राप्त की गई। शिक्षा की गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता- जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से धार में डिजिटल स्टूडियो तैयार किया गया है, जहां वीडियो लेजर तैयार किए गए हैं। इन्हें वेबकैम के माध्यम से इंटरैक्टिव क्लासेस में परिवर्तित किया गया है। वर्तमान में 60 स्कूलों में पिछले एक सप्ताह से नियमित इंटरैक्टिव क्लासेस संचालित की जा रही हैं।

संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने शिक्षा की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण अध्यापन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने ऐसे शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए, जो विद्यालय में अध्यापन पर पर्याप्त ध्यान नहीं देते तथा ट्यूशन पर अधिक ध्यान देते हैं।



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज इंदौर में रेलवे बोर्ड के चेयरमैन श्री सतीश कुमार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उज्जैन में आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 एवं इंदौर जिले के विकास को दृष्टिगत रखते हुए इन्दौर जिले की सांवेर विधानसभा में रेलवे के विभिन्न उन्नयन कार्यों एवं नवीन गाड़ियों के प्रचालन हेतु कार्यवाही करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

मंत्री श्री सिलावट में श्री सतीश कुमार को बताया कि इन्दौर मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी होकर देश के मेट्रो शहरों की श्रेणी में तेजी से विकसित हो रहा है। यहां इन्दौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन सिटी प्रस्तावित है। वर्ष 2028 में इन्दौर सांवेर के समीप उज्जैन में सिंहस्थ महापर्व आयोजित होगा, जिसमें लगभग 25 करोड़ से अधिक श्रद्धालुगण देश-विदेश से आएंगे। इन्दौर और उज्जैन के मध्य स्थित होने से विधानसभा क्षेत्र सांवेर में भी श्रद्धालुओं के आवागमन में यथायत का अत्यधिक दबाव रहेगा।

मंत्री श्री सिलावट ने चर्चा के दौरान श्री सतीश कुमार से कहा कि मांगलिया त्रांसिंग पर निर्माणधीन रेलवे ओवर ब्रिज का रेलवे के हिस्से का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करवाये। इस ब्रिज के निर्माण के बाधित होने से हजारों नागरिकों विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान में पहुंचने पर बड़ी परेशानी हो रही है।

श्री सतीश कुमार ने मंत्री श्री सिलावट को आश्वासन दिया कि निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर आगामी अक्टूबर 2027 तक निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा की आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 एवं इंदौर के विकास को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे के रतलाम मण्डल में आने वाले विधानसभा क्षेत्र सांवेर के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न उन्नयन कार्य एवं नवीन रेलों के प्रचालन की स्वीकृति अपेक्षित है। श्री सिलावट में चर्चा के दौरान फतेहाबाद-चन्द्रावतीगंज जंक्शन का उन्नयन कर आदर्श स्टेशन के रूप में विकसित करने, मांगलिया रेलवे स्टेशन को आदर्श स्टेशन के रूप में उन्नयन कर विकसित करने, पालिया, बालोदा, अजनाद रेलवे स्टेशन पर हाई लेवल प्लेटफार्म बनाया जाकर स्टेशन का उन्नयन, महु-उज्जैन क्वाया फतेहाबाद-चन्द्रावतीगंज जंक्शन के बीच पूर्व में संचालित मेमू / डेमू रेल का पुनः संचालन, इन्दौर से उज्जैन क्वाया मांगलिया-बलवाई जामौर-देवास के बीच मेमू डेमू रेल का पुनः संचालन, फतेहाबाद-चन्द्रावतीगंज जंक्शन पर प्लेटफार्म नं. 04 पर सतह में सुधार एवं बेंचेस और कवर शेड का निर्माण, पालिया, फतेहाबाद आदि स्टेशनों के मध्य के रोड़ अंडर पास में बारिश का पानी भर जाता है, इसके स्थानों निासी की व्यवस्था करने, अजनाद स्टेशन पर हाई लेवल प्लेटफार्मों और पुल का निर्माण आदि के संबंध में चर्चा की।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि इंदौर से रतलाम के मध्य चलने वाली सभी रेल एक्सप्रेस गाड़ियों का विराम लक्ष्मीबाई नगर और फतेहाबाद जंक्शन पर दिया जाये, डेमू ट्रेन के स्थान पर मेमू ट्रेन चलाई जाये, जिससे प्रायः डेमू के खराबी के कारण यात्रियों को असुविधा नहीं हो। साथ ही इंदौर-अमृतसर (19325) एक्सप्रेस को सप्ताह में 04 दिन चलाया जाये। गाड़ी संख्या 20957-20958 इंदौर-नई दिल्ली-इंदौर जो सप्ताह में 03 दिन चल रही है, को प्रतिदिन किया जाये।

कोतवाली की कार्रवाई, लक्ष्मण दरवाजा क्षेत्र में जुआंधर की घेराबंदी, फड़ मिलाकर 17 जुआरी से 1.46 लाख बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना द्वारा जुआ, सट्टा खेलने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश समस्त थाना प्रभारियों को दिए हैं। इसी निर्देश के पालन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौर के नेतृत्व में शहर के किला क्षेत्र के लक्ष्मण दरवाजा मंदसौर में जुआंधर की घेराबंदी की गई। यहां फड़ मिलाकर 17 जुआरी से 1.46 लाख बरामद किए गए हैं। 17 आरोपियों को हिरासत में लिया है।

घटना अनुसार 05 व 06 सितंबर की रात्रि को कोतवाली पुलिस को मुखबिर सूचना मिली कि लक्ष्मण दरवाजा क्षेत्र के पास हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेला जा रहा है। इस पर वैधानिक कार्रवाई करते हुए थाना कोतवाली पुलिस द्वारा धारा 3/4

खेत में रेंगता दिखा 7 फीट लंबा अजगर, वन विभाग ने लगातार दूसरे दिन किया सुरक्षित रेस्क्यू

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जागरूकता और मुसैदी का एक बड़ा उदाहरण पेश करते हुए वन विभाग की टीम ने लगातार दूसरे दिन क्षेत्र में एक और विशालकाय अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू करने में सफलता हासिल की है। रविवार को ग्राम आलोरी गरवाडा में एक किसान के खेत से करीब 7 फीट लंबे अजगर को सुरक्षित पकड़कर उड़न दस्ते की मदद से घने जंगल में छोड़ दिया गया, जिसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार को ग्राम आलोरी गरवाडा के निवासी जागरूक किसान कैलाश पिता नंदलाल भांभी जब अपने खेत पर मृंगफली की फसल की देखरेख करने पहुंचे, तो वहां एक विशालकाय अजगर को रंगते देख उनके होश उड़ गए। उन्होंने सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी।

वन्यजीव की मौजूदगी को खबर मिलते ही वन परिक्षेत्राधिकारी रतनगढ़ तुरंत अपनी रेस्क्यू टीम और आवश्यक संसाधनों के साथ मौके पर पहुंच गए।

वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में चला रेस्क्यूयूह रेस्क्यू ऑपरेशन वनमंडलाधिकारी नीमच श्री एस.के. अटोदे और उपवनमंडलाधिकारी नीमच श्रीमती सरोज जेन के कुशल मार्गदर्शन में चलाया गया। वन अमले ने बेहद पेशेवर तरीके से बिना वन्यजीव को नुकसान पहुंचाए, उसे सुरक्षित अपने नियंत्रण में लिया।

लगातार दूसरे दिन हुए इस सफल रेस्क्यू ने क्षेत्र में वन विभाग की त्वरित कार्यप्रणाली को साबित किया है।

डिप्टी कलेक्टर ने किया जिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिंह थावें ने शनिवार को जिला चिकित्सालय नीमच का आकस्मिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. महेंद्र पाटिल एवं सहायक प्रबंधक (अस्पताल प्रशासन) डॉ. जनमेजय शायक उपस्थित रहे।

डिप्टी कलेक्टर ने चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति पंजी तथा ड्यूटी रोटटर का अवलोकन किया। उन्होंने सभी चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को निर्धारित समय पर उपस्थित रहकर



सार्थक पोर्टल एवं उपस्थिति पंजी में उपस्थिति दर्ज करने तथा मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों से स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। मरीजों को मेनु अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन, प्रत्येक बेड पर बेडशीट एवं अटेंडेंट के लिए स्टूल, पर्चाय पेयजल तथा स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण

उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वार्डों के टॉयलेट के समीप हैंडवॉश डिस्पेंसर लगाने, आवारा पशुओं के प्रवेश रोक, मच्छरों से बचाव तथा मैटरनिटी वार्ड में वेंटिलेशन बेहतर करने

के भी निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था में कमी पाए जाने पर संबंधित सफाई सुपरवाइजर को तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए। साथ ही सफाई कर्मचारियों को निर्धारित यूनिफॉर्म में कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया। सुरक्षा व्यवस्था के तहत बिना टोकन वार्डों में प्रवेश रोकने के निर्देश सुरक्षा गार्ड एवं होमगार्ड को दिए गए।

शिक्षाविद स्व. जगदीश चंद्र सोनी के स्मृति में माहेश्वरी स्कूल में हुआ शिक्षकों का सम्मान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री माहेश्वरी संघ द्वारा संचालित श्री माहेश्वरी माध्यमिक स्कूल में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षाविद स्व. जगदीशचंद्र सोनी की स्मृति में सोनी परिवार की भावना अनुरूप शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मन्दसौर माहेश्वरी समाज की वरिष्ठ महिला शिक्षाविद डॉ. योगिता सोमानी ने कहा कि नीत नई तरीके की शिक्षा के दौर में शिक्षक का अपडेट होना जरुरी है। अपडेट शिक्षक ही बच्चों के आज के दौर के अनुरूप अपडेट कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन के दौर में शिक्षक का महत्व कतई कम नहीं हुआ है। शिक्षक ही समाज और देश की सशक्त इमारत के शिल्पकार कल भी थे और आज भी है। अध्यक्षता कर रहे माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी व दैनिक गुरु एक्सप्रेस के प्रधान संपादक आशुतोष नवल ने कहा कि शिक्षक वह हस्ती है जिसकी गोद में प्रलय और विकास दोनों पलते हैं। हमें ही तय करना होगा कि हम किसे चुने। उन्होंने कहा कि गुरु के बिना जीवन अधूरा है।



पब्लिक गैबलिंग एक्ट पंजीबद्ध किया गया। मौके से धरमकड़ में आरोपी भगवान पिता प्रेम मेघनानी उम्र 40 साल निवासी हनुमान नगर मंदसौर, रणजीत उर्फ रंगीला पिता बाबूलाल भाटी उम्र 44 साल निवासी नई

आबादी प्रतापगढ़, अशोक पिता गिरधारीलाल होतवानी जाति सिंधी उम्र 48 साल निवासी लक्ष्मण दरवाजा मंदसौर, अख्जर उर्फ भूरिया पिता शेर मोहम्मद शाह उम्र 40 साल निवासी मर्दादीन मोहल्ला मंदसौर, बबलू उर्फ

भगवानदास पिता घनश्याम सिंधी उम्र 42 साल निवासी दशरथ नगर मंदसौर, जाहिद पिता वाजिद मेवाती उम्र 36 साल निवासी साई मंदिर के पास अभिन्दन कॉलोनी मंदसौर, फरियाद पिता शमसुद्दीन पेमला उम्र 47 साल निवासी किटयानी मंदसौर, विशाल पिता मखवीर राजपूत उम्र 20 साल निवासी खानपुरा मंदसौर, हैदर पिता आमीन मेव जाति मेवाती उम्र 32 साल निवासी दौलतपुरा मंदसौर, शाबिर पिता बफाती हड़ी जाति मुल्तानी उम्र 52 साल निवासी ग्राम मुल्तानपुरा

थाना वायडी नगर मंदसौर, राहुल पिता अरुण मोची उम्र 35 साल निवासी खानपुरा मंदसौर, फारख उर्फ नड्डा पिता अहमद मथारिया उम्र 46 साल निवासी नाहर सैयद मंदसौर, लवि पिता राजेश शर्मा उम्र 36 साल निवासी गांधी नगर मंदसौर, रवि पिता

ठाकुर किशोर सिंह सिसौदिया व डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय की स्मृति में बालिकाओं ने गढ़े मिट्टी के गणेशजी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक

मालवा हेराल्ड। स्वर्गीय ठाकुर किशोर सिंह सिसौदिया एवं स्वर्गीय डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय की स्मृति में टी.के.एस. सेवा संस्था ने अपना घर की बालिकाओं के लिए एक दिवसीय ‘मिट्टी के श्री गणेशजी’ निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। डिंपल सिसौदिया के मार्गदर्शन में हुए इस आयोजन में बालिकाओं ने प्राकृतिक मिट्टी से गणेश प्रतिमा निर्माण की कला सीखी। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जोड़ने के साथ उनमें रचनात्मकता, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करना था। प्रशिक्षण के दौरान बालिकाओं को मिट्टी



तैयार करने, उसे आकार देने और गणेशजी की प्रतिमा के विभिन्न अंगों को गढ़ने से लेकर अंतिम रूप देने तक की प्रक्रिया समझाई गई। डिंपल सिसौदिया ने प्रतिमा निर्माण की तकनीकें सरल और व्यावहारिक तरीके से सिखाईं। बालिकाओं ने स्वयं मिट्टी को आकार

देकर गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं। अपने हाथों से बनाई प्रतिमाओं को देखकर उनके चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास नजर आया। आयोजन के दौरान बालिकाओं को बताया गया कि भारतीय त्योहार केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और प्रकृति से जुड़ने का अवसर भी हैं। प्राकृतिक मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने की पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

गया। संस्था ने बताया कि ऐसी गतिविधियों से बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ने के साथ पारंपरिक कला और शिल्प के प्रति रचि भी विकसित होती है। टी.के.एस. सेवा संस्था के सदस्यों के अनुसार पूर्व विधायक स्वर्गीय ठाकुर किशोर सिंह

संगठन सशक्तीकरण को लेकर रतनगढ़ में भाजपा जिला कार्य समिति की महा बैठक कल, दिग्गज करेंगे मंथन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांगठनिक मजबूती और आगामी मैदानी अभियानों की रणनीति को धार देने के लिए भारतीय जनता (भाजपा) जिला नीमच की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और वृहद जिला कार्यसमिति बैठक कल सोमवार, 7 सितम्बर को रतनगढ़ के वीरेंद्र कुमार सकलेचा सामुदायिक भवन में आयोजित होने जा रही है।

हाल ही में औरछा में संपन्न हुई प्रदेश कार्यसमिति के उच्च स्तरीय एजेंडे को जिला और बृथ स्तर पर क्रियाचिवित करने के लिहाज से इस बैठक को बेहद अहम माना जा रहा है।

वरिष्ठ नेतृत्व का लगेगा जमावड़ा- बैठक में मुख्य रूप से संभाग प्रभारी सुरेश आर्य,जिला प्रभारी पूर्व सांसद सुभाष पटेल, संसदीय क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद सुधीर गुप्ता, जावद विधानसभा के विधायक ओमप्रकाश सखलेचा, मनास विधायक अनिरुद्ध (माधव) मारू, नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार तथा भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल मंसासीन रहकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे।

मंडल अध्यक्ष जसवंत बंजारा की साख और पकड़ से रतनगढ़ को मिली मेजबानी- इस बार इस हाई-प्रोफाइल जिला स्तरीय बैठक की मेजबानी का अवसर रतनगढ़ भाजपा मंडल को सौंपा गया है। राजनैतिक हलकों में इसे रतनगढ़ मंडल अध्यक्ष जसवंत बंजारा की संगठन के प्रति अटूट निष्ठा, बेहतरीन कार्यशैली और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच उनकी मजबूत पकड़ के प्रति जिला नेतृत्व के गहरे भरोसे के रूप में देखा जा रहा है। अपनी इस सांगठनिक साख को अक्षुण्ण रखते हुए बंजारा पूरी शिद्दत और दिली-जान से आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं, नगर की भव्य साज-सज्जा और अपेक्षित अतिथियों के गरिमामय स्वागत सत्कार की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

तीनों विधानसभाओं के अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारी रहेंगे मौजूद- बैठक में संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी,नीमच, मनासा और जावद विधानसभा क्षेत्र से जुड़े तमाम शीर्ष पदाधिकारियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया गया है।

भाजपा जिला मीडिया सेल के अनुसार,

बैठक में समस्त जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति के सदस्य, विशेष एवं स्थाई आमंत्रित सदस्य शिरकत करेंगे।

इनके साथ ही सभी मंडलों के अध्यक्ष व महामंत्री, विभिन्न मोर्चों के जिला अध्यक्ष व महामंत्री, जिले में निवासरत प्रदेश मोर्चा पदाधिकारी, सभी प्रकोष्ठों के जिला संयोजक और पंचायत से लेकर नगर पालिकाओं के निर्वाचित जनप्रतिनिधि मुख्य रूप से अपेक्षित श्रेणी में शामिल हैं।

बृथ मजबूती और जन-कल्याणकारी योजनाओं पर रहेगा फोकस- इस महामंथन का मुख्य उद्देश्य केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाना तथा बृथ जीतो-चुनाव जीतो के संकल्प के साथ बृथ स्तर की समितियों को और अधिक सक्रिय बनाना है। मंडल अध्यक्ष जसवंत बंजारा ने जिले भर से आने वाले सभी अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारियों से समय पर कार्यक्रम स्थल पहुंचकर बैठक को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का आग्रह किया है।

छह माह पहले टेंडर, फिर भी 200 मीटर सड़क का निर्माण शुरू नहीं

दो राज्यों को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढों में भरा पानी, राहगीर परेशान; निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल



नेमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अठाना नगर से होकर दो राज्यों को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण मार्ग पर करीब 200 मीटर सीसी रोड निर्माण का टेंडर छह माह पहले हो चुका है, लेकिन आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। निर्माण एजेंसी को कार्यस्थल की पूर्व स्थिति में ही निर्माण के लिए उपलब्ध करा दिया गया था,

इसके बावजूद मौके पर निर्माण के नाम पर अब तक कुछ नहीं हुआ है। इससे नागरिकों में रोष बढ़ता जा रहा है।

मौजूदा समय में इस मार्ग की हालत बेहद खराब है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं और इनमें बारिश का पानी भरा हुआ है। पानी

से भरे गड्ढों की

गहराई का अंदाजा नहीं लग पाने के कारण दोपहिया वाहन चालकों के साथ दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। राहगीरों को भी पानी और गड्ढों के बीच से

होकर गुजरना पड़ रहा है।

यह मार्ग मुख्य बाईपास से जुड़ा होने के

कारण 24 घंटे अत्यधिक व्यस्त रहता है।

प्रतिदिन बड़ी संख्या में छेटी-बड़ी गाड़ियों के आवागमन होता है। इसी मार्ग से बीमार मरीज, बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे तथा स्कूली छात्र-

छात्राएं भी गुजरते हैं। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण सभी वर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

निर्माण एजेंसी के कई ठेके, लेकिन काम की गति पर सवाल- नागरवासियों का कहना है कि संबंधित निर्माण एजेंसी द्वारा नगर में अन्य कई निर्माण कार्यों के ठेके भी लिए गए हैं, लेकिन कई स्थानों पर कार्य की गति और गुणवत्ता को लेकर संतोषजनक स्थिति नजर नहीं आ रही है। महत्वपूर्ण सड़क का टेंडर छह माह पहले होने के बावजूद निर्माण शुरू नहीं होना विभागीय कार्यप्रणाली और निर्माण एजेंसी की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रहा है।

नागरिकों का कहना है कि जब सड़क निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और निर्माण एजेंसी को कार्यस्थल भी उपलब्ध करा दिया गया है, तो आखिर छह माह से

पिपलियामंडी पुलिस ने 1 किलो अफीम के साथ एक तस्कर को पकड़ा



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन व पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थ को तस्करी करने वाले आरोपियों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई करने हेतु निर्देश प्रसारित किए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुपालन हेतु आदर्य कप्तान मंदसौर विनोद कुमार मीना द्वारा जिले में समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को

निर्देशित किया है, जिसका जिला स्तरीय पर्यवेक्षण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल द्वारा किया जा रहा है। इसके मद्देनजर पिपलियामंडी थाना पुलिस ने 1 किलो अफीम के साथ एक तस्कर को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार मल्हारगढ़ एसडीओपी पिन्टू कुमार बघेल के मार्गदर्शन में पिपलियामंडी थाना प्रभारी निरीक्षक विक्रमसिंह इवने के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा 05 सितंबर को देहात भ्रमण के दौरान नगर परिषद पिपलियामंडी सम्पवेल के पास आम रोड पर ओवर ब्रिज तरफ से एक 20-25 साल का नवयुवक अपने पीछे पीठ पर एक काले रंग का पिट्टू बैग लटकाए हुए आता दिखाई दिया, जो अचानक पुलिस वाहन को देखकर वापस पलटकर हाईवे रोड ओवर ब्रिज तर्फ भागने लगा, जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया। नाम पता पछ्ते उसने अपना नाम करण पिता कालीलाल भील उम्र 23 वर्ष निवासी धामेड़ी, थाना पिपलौदा, जिला रतलाम का बताया। जिसके कब्जे से बैग में रखी हुई 01 किलोग्राम अफीम व एक कीपेड मोबाइल को जब्त किया कर आरोपी करण भील को गिरफ्तार किया गया। मामले में आरोपी के विरुद्ध धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर विवेचना में लिया गया। आरोपी से पूछताछ जारी है।

राष्ट्र निर्माण की पीढ़ी तैयार करते हैं शिक्षक : राज्यपाल

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि बच्चों की पहली पाठशाला उसका घर होती है। माता-पिता उन्हें प्रारंभिक शिक्षा और संस्कार देते हैं, लेकिन वास्तव में शिक्षक ही बच्चों को ज्ञान और संस्कारों से परिपूर्ण करते हैं। राष्ट्र निर्माण की भावी पीढ़ी तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों को आत्मीय भाव से पढ़ाएं। उनकी बुद्धि, क्षमता और अपेक्षाओं को समझते हुए अपनापन और सहनशीलता का व्यवहार करें। कठिनाईयों और जिज्ञासाओं को धैर्य के साथ सुनें। प्रेमपूर्वक व्यवहार करते हुए समाधान करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि बच्चे, विकसित भारत के कर्णधार हैं। शिक्षक इन कर्णधारों के शिल्पकार हैं। इसलिए शिक्षक पहले स्वयं ज्ञान और नैतिक गुणों का आदर्श व्यक्ति बनें। बच्चों में ईमानदारी, सहनशीलता, जुझारूपन आदि गुणों का विकास कर, उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करें।

गुरु दक्षिणा फाउंडेशन प्रोग्राम में शिक्षा एवं समाजसेवा में योगदान देने वाली प्रेरणादायी महिला शिक्षिकाएं सम्मानित



की महिला सदस्यों में से ःशार्दिनी स्टारः का चयन कर उनका सम्मान किया। सम्मानित सदस्यों में शशि मारू द्वारा निःशुल्क पाठशाला, प्रीति जैन द्वारा निःशुल्क योग सेवा, निवेदिता नाहर द्वारा दिव्यांग बच्चों की शिक्षा, अंशु श्रीमाल द्वारा निःशुल्क कला एवं

हस्तकला प्रशिक्षण, साक्षी जैन द्वारा निःशुल्क कंप्यूटर शिक्षा, विनीता संघवी द्वारा जरूरतमंद बच्चों की फीस एवं गणवेश में सहयोग, अनिता गांधी द्वारा जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग, मधु कड़ावत द्वारा गरीब बस्ती के बच्चों के शिक्षा के लिए शिल्पक शिक्षा तथा पुष्पलता चंडालिया का शिक्षा एवं समाजसेवा में योगदान उल्लेखनीय रहा। सम्मान एवं उपहार बीजेएस मंदसौर चैप्टर की अध्यक्ष श्वेता पोरवाल ने दिए। धर्म एवं ध्यान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए धार्मिक हाउजी का आयोजन भी किया गया। शालिनी लोढ़ा सहित सदस्यों ने व शिक्षिकाओं ने भी अपने अनुभव साझा करते किए। संचालन स्वाति रिखवरा ने किया। आभार सुनीता बंडी ने माना।

जिम्मेदार विभाग द्वारा इस देरी का संज्ञान क्यों नहीं लिया जा रहा है?

तत्काल निर्माण शुरू कराने की मांग- नागरवासियों ने संबंधित विभाग एवं प्रशासन से मार्ग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए 200 मीटर सीसी रोड का निर्माण तत्काल शुरू कराया जाए। साथ ही सड़क पर बने गड्ढों और उनमें भरे पानी की समस्या का तत्काल समाधान कर आमजन को राहत दौ जाए। नागरिकों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निगरानी करते हुए इसे निर्धारित समय सीमा में पूरा कराने की भी मांग की है।

अब देखना यह है कि छह माह से अटकें इस महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्य को लेकर जिम्मेदार विभाग कब जागता है और आमजन को इस परेशानी से कब निजात मिलती है।

जिला आपूर्ति विभाग ने जिले के सभी होटल,

रेस्टोरेंट एवं अन्य व्यावसायिक संस्थानों से अपील की

है कि वे खाना पकाने एवं अन्य व्यावसायिक कार्यों के लिए केवल अधिकृत व्यावसायिक गैस सिलेंडरों का ही उपयोग करें। साथ ही गैस सिलेंडरों की खरीदी से संबंधित आवश्यक दस्तावेज एवं बिज सुनिश्चित रखें,

ताकि जांच के दौरान उनका सत्यापन किया जा सके।



झाला से 1, मेसर्स हेमंत पिता कन्हैयालाल मंडरा से 2, मेसर्स जितेंद्र पिता भोपाल सिंह से 4, नारायण पिता

जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अजीत कुमार सिंह ने बताया कि जिले में होटल, रेस्टोरेंट, संस्थानों तथा अन्य

सम्पादकीय लेखनी में असीमित सामर्थ्य और क्षमताएं

अक्षर को नश्वर बताया गया है वैसे तो शब्दों की तीव्रता तलवार से ज्यादा नुकीली और भाले से ज्यादा चुभने वाली होती है। तलवार की धार से मनुष्य एक बार बच भी सकता है पर मुंह से बोले गए शब्द व्यक्ति को मृत्यु सा मूर्च्छा कर देते हैं। इसीलिये चिंतकों ने कहा है बोलने से पहले कई बार सोचें और बोलने के बाद सोचने वाला व्यक्ति समाज में मूर्खों की श्रेणी में गिना जाता है। राजनीति और कूटनीति में सारी जद्दोजह्द शब्दावली और भाषणों की होती है कूटनीति में एक शब्द के कई अर्थ निकाले जाते हैं और उससे अपना हित अहित साधा जाता है। अकबर इलाहबादी साहब कहते हैं, खीचन न कमानों को, न तलवार निकालो, जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।

मुंह से बोले गए शब्द और वाक्य बहुत सकारात्मक भी हो सकते हैं और बड़े ही भयंकर नकारात्मक भी हो सकते हैं। एक ही शब्द कहीं पर बड़े से बड़ा फल कर्वा सकता है और कहीं पर बोले गए प्यार के शब्द बड़े-बड़े विवादों में सुलह करा सकते हैं। शब्द की परिणति उसकी मुक्ति ही करती है। बड़े-बड़े राजनेता अभिनेता अपने मुंह से बोले गए शब्दों से लोकप्रियता के चरम पर पहुंच जाते हैं और कहीं किसी नेता के मुंह से निकला हुआ शब्द बाण समाज में विषाद और जहर भर देता है। शब्दों के जादूगर बड़े-बड़ी आम सभाओं में सोच समझकर इस्तेमाल कर अपना सार्थक प्रभाव छोड़ते सत्ता परिवर्तन भी शब्दों के माया जाल से हि होता है। अंग्रेजी साहित्य में अरनेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना जाता था उनके शब्दों का प्रभाव सिधे पाठकों के दिल तक पहुंच जाता था इसी तरह हिंदी में तुलसीदास विश्वव्यापी कवि है उनकी वाणी में सत्य और अमृत है। आधुनिक हिंदी साहित्य मेंअज्ञेय जी को इसी श्रेणी में रखा जा सकता है उनकी शब्दावली कठिन होते हुए भी पढ़ने वालों के मर्म तक पहुंच जाती है। महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद हिंदी और देवनागरी लिपि को आत्मसात कर उन्प्यास तथा कहानी और लिख कर अमृत्यु को प्राप्त किया है। देवकीनंदन खत्री जी ने भी उन्प्यासी खाकर चंद्रकान्ता संतति, भूतनाथ पढ़ने के लिए हिंदी को सीखा और मनन किया और लोकप्रिय उन्प्यास की उत्पत्ति की, कबीर अपने फकड़पन की भाषा के कारण उत्तर भारत के सभी दिलों में समाए हुए हैं। निसिदेह शब्द जीवंतता प्रदान करते हैं और जीवनशैली को बेहतर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं और द्रौपदी द्राग कहे गए शब्द महाभारत की उत्पत्ति का कारण बनते हैं। इसलिए सदैव कहा जाता है की संभलकर बोलने से सद्गति प्राप्त होती है। इसीलिये तो संभल कर सही और उपयुक्त शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। जो सदैव अच्छा वका होता है अपने विचारों को संभल कर बोलता है भले ही वह दिलों को ना छुए पर उसका जनमनास को जीतना तय होता है और संसार पर वही राज करता है जो अपने शब्दों का सही इस्तेमाल करता है, गलत शब्द से, गलत संभाषण से गलत विचारों से बोला गया वाक्य प्रलय भी ला सकता है। शब्दों को तौल कर विचार कर बोलना चाहिए अन्याथा उसके नतीजे भयात्मक भी हो सकते हैं। शब्दों की मार बहुत ही तेज और बहुत मीठी भी होती है एक शब्द महायुद्ध करवा सकता है और दूसरा शब्द ऐसी शीतल फुहारें छोड़ता है कि सारा युद्ध उन्माद अखंड शांति में बदल जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अमेरिका, रूस, जापान, यूरोपीय देशों में दिए वहां के राष्ट्रपति व राजनेताओं द्वारा दिए गए भाषणों संभाषणों से युद्ध और कई बार शांति स्थापित हुई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति प्रधानमंत्री तथा उनके कैबिनेट के मंत्री अपने दिए गए वक्तव्य से ही सारी दुनिया से अलग अलग हो गए हैं। और भड़काऊ भाषण के कारण आज दुर्गति को प्राप्त हुए हैं। भारत शांति का दूत माना जाता है शांति स्थापना की सदैव मीठी वाणी बोलता आया है और यही कारण है कि भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति का पुजारी एवं दूत कहा जाता है एवं सदैव अंतराष्ट्रीय विवादों में उनके राजनेताओं को मध्यस्थता अथवा समझौते के लिए आमंत्रित किया जाता रहा है। यही कारण है कि रूस यूक्रेन के लंबे युद्ध में विश्व के पूरे देश एवं रूस तथा यूक्रेन के राजनेता भी भारत की ओर युद्ध की शांति की पहल की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यही कारण है की युवा पीढ़ी को सदैव कम बोलने, सदाचारी संभाषण देने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है भारत की सांस्कृतिक तथा साहित्यिक विरासत को सत साहित्य और संतुलित भाषा का मनुष्य तथा समाज के विकास के लिए पर्याय माना गया है।

वैश्वीकरण के युग में भारतीय आध्यात्म और सहजयोग



आज का युग वैश्वीकरण, विज्ञान और तकनीकी प्रगति का युग है। इंटरनेट, आधुनिक संचार माध्यमों और तीव्र परिवहन ने भौगोलिक दूरियों को लगभग समाप्त कर दिया है। समाज के विभिन्न देश, संस्कृतियाँ और विषय पहले से कहीं अधिक एक-दूसरे से जुड़े हैं। परंतु इस बाहरी जुड़ाव के साथ मनुष्य के भीतर तनाव, अस्तुलन, असुरक्षा, अकेलापन और मानसिक अशांति जैसी चुनौतियाँ भी बढ़ रही हैं। ऐसे समय में भारतीय आध्यात्मिक परंपरा मानव जीवन को भीतर से संतुलित करने और शांति की ओर ले जाने का मार्ग प्रस्तुत करती है। इसी परंपरा में सहजयोग एक महत्वपूर्ण और सहज ध्यान पद्धति के रूप में विश्वभर में अपनी पहचान बना रहा है।

भारतीय संस्कृति का -वसुधैव कुटुम्बक- का संदेश सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में देखने की प्रेरणा देता है। वैश्वीकरण ने जहाँ विश्व को भौतिक और तकनीकी रूप से निकट लाया है, वहीं भारतीय आध्यात्म यह स्मरण कराता है कि वास्तविक वैश्विक एकता तभी संभव है, जब मनुष्य के भीतर भी शांति, करुणा, संतुलन और आत्मीयता का विकास हो। श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा स्थापित सहजयोग ध्यान पद्धति में

मनुष्य के भीतर विद्यमान कुंडलिनी शक्ति के जागरण और आत्मसाक्षात्कार को विशेष महत्व दिया जाता है। सहजयोग का मूल संदेश है कि मनुष्य अपने भीतर मौजूद उस सूक्ष्म शक्ति और चेतना को अनुभव कर सकता है, जो उसे मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक संतुलन की ओर ले जाती है।

वैश्विक मंच पर भारतीय आध्यात्म की पहचान बनता सहजयोग-सहजयोग आज विश्व के विभिन्न देशों और संस्कृतियों के लोगों तक पहुँच चुका है। अमेरिका, यूरोप, रूस, ऑस्ट्रेलिया सहित अनेक देशों में लोग सहजयोग ध्यान के माध्यम से भारतीय आध्यात्मिक परंपरा से परिचित हो रहे हैं। विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों और सामाजिक पृष्ठभूमियों के लोगों का इससे जुड़ना इस बात को दर्शाता है कि आंतरिक शांति, आत्मज्ञान और मानवीय एकता की आवश्यकता सार्वभौमिक है।

सहजयोग भारतीय संस्कृति को केवल एक परंपरा के रूप में प्रस्तुत नहीं करता, बल्कि उसके आध्यात्मिक मूल्यों को अनुभव के माध्यम से समझने और आत्मसात करने का अवसर देता है। यही कारण है कि आज वैश्विक समाज में भारतीय योग और ध्यान परंपरा के प्रति रुचि निरंतर बढ़ रही है।

सहजयोग व्यक्ति को आत्मचिंतन और ध्यान के माध्यम से अपने भीतर झाँकने की प्रेरणा देता है। जब व्यक्ति स्वयं के भीतर शांति और संतुलन का अनुभव करता है, तो उसके व्यवहार, संबंधों और जीवन-दृष्टि में भी सकारात्मक परिवर्तन आने की संभावना बढ़ती है। इस प्रकार व्यक्तिगत आंतरिक परिवर्तन व्यापक सामाजिक और मानवीय परिवर्तन की आधारभूमि बन सकता है।

सहजयोग का संदेश केवल व्यक्तिगत तनाव से मुक्ति तक सीमित नहीं है। इसका व्यापक दृष्टिकोण मानव एकता, सामूहिक चेतना और विश्वशांति की भावना से जुड़ा है। आज जब दुनिया अनेक प्रकार की चुनौतियों और विभाजनों का सामना कर रही है, तब भारतीय आध्यात्म से यह दृष्टि अत्यंत प्रासंगिक है कि परिवर्तन की शुरुआत व्यक्ति के भीतर से होनी चाहिए। आंतरिक शांति ही बाहरी शांति की आधारशिला बन सकती है।

सहजयोग वैश्वीकरण के युग में भारतीय आध्यात्म और वैश्विक मानवता के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य कर रहा है। यह व्यक्ति को आधुनिक जीवन से दूर नहीं करता, बल्कि आधुनिक जीवन के बीच रहते हुए अपने भीतर संतुलन, शांति और जागरूकता विकसित करने की दिशा दिखाता है।

रास्ते अब मजिल तक नहीं, जीवन, स्वास्थ्य और प्रकृति से भी जोड़ेंगे। सड़कें किसी देश की केवल राहें नहीं, उसके विकास की दिशा भी बताती हैं। भारत में ये अब शहरों और बाजारों को जोड़ने वाले रास्ते भर नहीं रहें, बल्कि बदलती विकास-दृष्टि की पहचान बन रही हैं। एनएचएआई की ‘आरोग्य वन’ पहल के तहत राजमार्गों के दोनों ओर नीम, आंवला, जामुन, इमली जैसी औषधीय वृक्ष प्रजातियाँ (और उपयुक्त स्थानों पर तुलसी, अश्वगंधा जैसी वनस्पतियाँ) कतारों में दिखें, तो यह केवल सड़क-सौंदर्य नहीं होगा। यह उस समझ का संकेत होगा कि तेज रफ्तार विकास को भी अंततः हवा, पानी और हरियाली की जरूरत है। सड़क किनारे खड़ा एक छोटा पौधा इसलिए मामूली नहीं—वह उस सोच का प्रतीक है, जिसमें विकास प्रकृति को पीछे छोड़कर नहीं, साथ लेकर आगे बढ़ना चाहता है।

इसे सिर्फ हरियाली की सरकारी कवायद मानना, इसके भीतर छिपे बड़े अर्थ को अनदेखा करना होगा। सड़क किनारे औषधीय पौधों की कतारें एक ऐसी मौन स्वास्थ्य-पट्टी बन सकती हैं, जो बिना कुछ कहे यात्री के मन तक पहुंचे। लंबी यात्रा में थूल, धुआं, शोर और तनाव के बीच तुलसी की सुगंध, नीम की छाया या आंवला-जामुन की हरियाली मन को ठहरने का अहसास दे सकती है। साथ ही, ये पौधे प्रकृति के उस पुराने ज्ञान की याद दिलाएंगे, जिसे आधुनिक जीवन सुविधा की दौड़ में पीछे छोड़ आया है। एक ओर वे कार्बन सोखकर हवा को बेहतर बनाएंगे, दूसरी ओर आयुर्वेद की परंपरा को आधुनिक राजमार्गों से जोड़ेंगे। सड़क और स्वास्थ्य का

उर्दू शायरी भी सराबोर है श्रीकृष्ण के प्रेम में

भारतीय संस्कृति की सबसे सुंदर विशेषताओं में एक यह है कि यहां आस्था की सीमाएं कभी इतनी कठोर नहीं रहें कि प्रेम उनके भीतर कैद हो सके। श्रीकृष्ण इसी सांस्कृतिक उदारता के सबसे उजले प्रतिकों में हैं। हिंदी काव्य की स्मरण भक्ति-धारा में कृष्ण बहुआयामी, आकर्षक और गरिमामय व्यक्तित्व के रूप में प्रतिष्ठित हुए। भक्ति काल से लेकर आधुनिक समय तक उनके दर्शन, बाल-लीलाओं, रास, प्रेम, दान्त्य, कर्म और गीत के संदेश को बचाने, कर्म और गीत के संदेश को बचाने में रखकर असांख्य रचनाएं रची गयी। कृष्ण का यह आकर्षण केवल हिंदी और ब्रजभाषा तक सीमित नहीं रहा, उर्दू शायरी भी उनके प्रेम से उसी तरह सराबोर हुई, जैसे यमुना कृष्ण की बांसुरी की धुन से।

उर्दू काव्य में श्रीकृष्ण केवल धार्मिक आस्था के पात्र नहीं हैं। वे प्रेम, सौंदर्य, करुणा, लोकमंगल और आध्यात्मिक चेतना के प्रतीक बनकर आते हैं। उनकी बांसुरी प्रेम का आमंत्रण है, उनकी रासलीला आत्मा और परमात्मा के मिलन का रूपक है और कुरुक्षेत्र में अर्जुन को दिया गया गीता का उपदेश कर्म, धर्म और जीवन-दर्शन की सार्वभौमिक व्याख्या। यही कारण है कि उर्दू के अनेक नामचीन शायरों ने कृष्ण को अपनी कविता और नज्मों में जगह दी। इस परंपरा की जड़ें मध्यकाल तक जाती हैं और आज तक इसकी शाखाएं हरी हैं। इस परंपरा में सबसे पहले अमीर खुसरो का नाम स्मरणीय है। तेरहवीं-चौदहवीं सदी के महान सूफी कवि अमीर खुसरो भारतीय संस्कृति के अग्रदूत माने जाते हैं। उनकी रचनाओं में हिंदवी, फारसी और अरबी के शब्दों का ऐसा सहज मेल मिलता है, जिसमें भारतीय लोकजीवन की आत्मा सांस लेती है। उनकी प्रसिद्ध कव्वाली ‘राग’-छप्प तिलक सब छीन ली रे, मोसे नैना लड़ाई के- के साथ कृष्ण-प्रेम का एक रोचक प्रसंग भी जोड़ा जाता है। कहा जाता है कि हजरत निजामुद्दीन औलिया को स्वप्न में कृष्ण के दर्शन हुए और उन्होंने अपने प्रिय शिष्य अमीर खुसरो को कन्हैया के बारे में कुछ रचने की प्रेरणा दी। गुरु की प्रेरणा से खुसरो ने कृष्ण प्रेम को अपनी रचना में स्थान दिया।

ऐतिहासिक रूप से इस प्रसंग की प्रामाणिकता पर अलग-अलग मत हो सकते हैं, लेकिन इससे यह जरूर स्पष्ट होता है कि भारतीय सूफी परंपरा कृष्ण भक्ति के बीच संवाद की कल्पना समाज के सांस्कृतिक मानस में कितनी गहरी थी। प्रेम की भाषा को किसी धार्मिक सीमा की जरूरत नहीं थी। यही कारण है कि खुसरो से आगे कृष्ण के प्रति आकर्षण की यह धारा अलग-अलग रूपों में विकसित होती गई। प्रंद्रहवीं- सोलहवीं सदी में मालिक मुहम्मद जायसी का नाम इस परंपरा में विशेष महत्व रखता है। जायसी की ‘कन्हारव’ कृष्ण-काव्य की ऐसी रचना मानी जाती है, जिसमें एक मुसलमान कवि ने कृष्ण के जीवन और व्यक्तित्व को अपनी काव्य दृष्टि से देखा। ‘कन्हारव’ की कथा का मूल आधार श्रीमद्भगवत से जुड़ा हुआ है। यह तथ्य अपने आप में भारतीय साहित्य की उस परंपरा का प्रमाण है जिसमें धर्म और भाषा के पार जाकर रचनाकार किसी दूसरे विश्वास के आराध्य को भी अपनी संवेदना का विषय बना सकता था।

–डॉ. सुधाकर आशावारी

यह संगम विकास को थोड़ा और मानवीय बना सकता है।किसी योजना की उम्र उसके उद्घाटन से नहीं, उसके निभाए जाने से तय होती है। ‘आरोग्य वन’ जैसी पहल तभी सचमुच जीवित रहेगी, जब सरकारी फाइलों से निकलकर स्थानीय समाज की जिम्मेदारी बने। राजमार्ग प्राधिकरण अकेले इसे नहीं संभाल सकता; स्थानीय समुदाय, स्वयंसेवी संस्थाएं, आयुष व वन विभाग और प्रशासन को साथ आना होगा। किसानों के लिए औषधीय पौधों की खेती अतिरिक्त आमदनी का द्वार खोल सकती है। स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को इनके संरक्षण और पहचान से जोड़ने पर पर्यावरण शिक्षा किताबों से निकलकर मिट्टी तक पहुंचेगी। तब पौधा किसी सरकारी योजना का आंकड़ा नहीं, गांव, किसान, विद्यार्थी और यात्री—सबकी साझा जिम्मेदारी बनेगा।

बड़ी योजनाएं जमीन पर उतरने वाले कदमों से आकार लेती हैं। एनएचएआई की मौजूदा योजना में पहले चरण में टोल प्लाजा और विश्राम स्थलों के पास चुनिंदा भूखंडों पर रोजाना हो रहा है। ग्रामीण औषधीय पौधा बोर्ड (एनएमपीबी) और आयुष मंत्रालय के अनुभव से हरियाली के साथ औषधीय संसाधन भी तैयार किए जाएं। मॉडल जोन और संसर-आधारित सिंचाई उपयोगी हैं, लेकिन सूखे क्षेत्रों में पानी और रखरखाव जरूरी है। स्थानीय वैद्य और आयुर्वेद विशेषज्ञ क्षेत्रानुकूल प्रजातियां तय करें। कच्चे माल को स्थानीय फार्मसियों और आयुष केंद्रों से जोड़ा जाए। विश्राम स्थलों पर सूचना-पट्ट लगें, ताकि यात्री पौधों का औषधीय महत्व जानें। तब सड़क सफर के साथ ज्ञान का रास्ता भी बनेगी।

हे कृष्ण, तुम फिर आ जाओ...

कभी-कभी लगता है कि समय कितना भी बदल जाए, मनुष्य की कुछ बेचैनियां सदैव वैसी ही रहती हैं। द्वार में भी समाज अन्याय, अत्याचार, अहंकार और अधर्म से जूझ रहा था और आज भी तस्वीर बहुत अलग नहीं है। फर्क इतना है कि तब अत्याचार का चेहरा दिखाई देता था, आज वह कई बार व्यवस्था, स्वाथं, छल, लालच और संवेदनहीनता के पोछे छिप जाता है। इसलिए जब जन्माष्टमी आती है तो मन अन्यायास ही पुकार उठता है- हे कृष्ण, तुम फिर आ जाओ...

भावान श्रीकृष्ण का जन्म उस समय हुआ, जब मथुरा का राजसिंहासन कंस के अत्याचार का प्रतीक बन चुका था। प्रजा दान में थी, सत्ता निरंकुश थी और सच बोलना आसान नहीं था। कृष्ण का जन्म किसी राजमहल की सुविधा में नहीं, कारागार में हुआ। आधी रात को जन्मे उस बालक ने आगे चलकर यह संदेश दिया कि अंधेरा किसकी भी गहरा हो, उसके बाद प्रकाश का जन्म निश्चित है।

आज जब हम अपने आसपास देखते हैं तो अनेक सवाल सामने खड़े होते हैं। क्या हम सचमुच उस समाज की ओर बढ़ रहे हैं जिसकी कल्पना हमने आजादी के समय की थी? क्या विकास के साथ संवेदनशीलता भी बढ़ी है? क्या तकनीक ने मनुष्य को बेहतर बनाया है? क्या राजनीति में विचार और समाज में संवाद मजबूत हुआ है? इन सवालों के बीच कृष्ण का स्मरण महज धार्मिक परंपरा नहीं रह जाता, वह आत्ममंथन का अवसर बन जाता है।

कृष्ण ने जीवन को किसी एक रंग में नहीं देखा। वे गोकुल के नटखट कान्हा भी हैं, वृंदावन के मुरलीधर भी, मथुरा के कंस-विनाशक भी और कुरुक्षेत्र के सारथी भी। उनके व्यक्तित्व में प्रेम है तो नीति भी है, करुणा है तो साहस भी, संपीत है तो संघर्ष भी। शायद यही वजह है कि हजारों वर्ष बाद भी कृष्ण आज के मनुष्य के सबसे करीब दिखाई देते हैं।

आज समाज में सबसे बड़ा संकट शायद भरोसे का है। परिवारों में संवाद कम हो रहा है, रिश्तों में अपेक्षाएं बढ़ रही हैं और सामाजिक जीवन में धैर्य घट रहा है। सोशल मीडिया ने संवाद के रास्ते खोले हैं, लेकिन उसी के साथ मनुष्य को प्रतिक्रियाओं की दुनिया में भी धकेल है। कुछ शब्द, एक तस्वीर या एक अधूरी सूचना समाज में तनाव पैदा कर सकती है। कृष्ण होते तो शायद सबसे पहले यहीं कहते कि हर सूचना पर प्रतिक्रिया देने से पहले विवेक का उपयोग करो।

कृष्ण का सबसे बड़ा संदेश यही था कि जीवन परिस्थितियों से नहीं, दृष्टिकोण से संचालित होता है। महाभारत में उन्होंने

राजमार्गों के किनारे पड़ी जमीन विकास की उस कहानी का अनकहा हिस्सा है, जिसे अक्सर कोई पढ़ता ही नहीं। धूल, तपिश, अतिक्रमण और प्रदूषण ने इन पट्टियों को उपेक्षा का भूगोल बना दिया है। औषधीय पौधों की योजनाबद्ध कतारें इसी भूले हुए भूभाग में फिर जीवन भर सकती हैं। घनी हरियाली धूल धामने, तापमान संतुलित करने और मिट्टी बचाने में मदद करेगी। साथ ही, यही वनस्पति पक्षियों, तितलियों और छोटे जीवों के लिए छोटे-छोटे आश्रय रचेगी। तब राजमार्ग केवल पहियों का गलियारा नहीं रहेगा; वह जैव-विविधता की जीवन-पट्टी भी बन सकेगा। जलवायु परिवर्तन के दौर में ऐसे हरित गलियारे भविष्य की पर्यावरण नीति का अहम आधार बन सकते हैं।

हरियाली का अर्थ तब खुलता है, जब वह जीवन को छूने लगे। इस योजना का महत्वपूर्ण पक्ष स्वास्थ्य है। आधुनिक जीवन ने बीमारी का नया भूगोल रचा है—तनाव, प्रदूषण और विगड़ती जीवनशैली उसका हिस्सा हैं। ऐसे में औषधीय वनस्पतियों को सजावटी हरियाली मानना भूल होगा। वैज्ञानिक संरक्षण, कटाई और प्रसंस्करण से इनकी सामग्री सस्ती स्वास्थ्य-उपयोगों तक पहुंच सकती है। हालांकि राजमार्ग किनारे प्रदूषण (धूल, वाहन उत्सर्जन) से औषधीय गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है, इसलिए कटाई-उपयोग से पहले वैज्ञानिक परीक्षण जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां स्वास्थ्य सुविधाएं दूर हैं, पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय वनस्पतियां सहायक हो सकती हैं। लेकिन सावधानी जरूरी है—हर औषधीय पौधा हर व्यक्ति का उपचार नहीं। सही पहचान, वैज्ञानिक

हे कृष्ण, तुम फिर आ जाओ...

अर्जुन को युद्ध के बीच खड़े होकर कर्म का संदेश दिया। उन्होंने अर्जुन को पलायन का रास्ता नहीं दिखाया। उन्होंने कहा कि जब सामने अन्याय हो तो अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता।

आज के दौर में यह संदेश और महत्वपूर्ण हो जाता है। भ्रष्टाचार हो, महिलाओं के प्रति अपराध हो, कमजोरों का शोषण हो, झूठ और अफवाहों का प्रसार हो या सर्वजनिक जीवन में बढ़ती कटुता,इन सबके सामने समाज की चुप्पी भी एक तरह की जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति अर्जुन की तरह अपने-अपने कुरुक्षेत्र में खड़ा है। सवाल यह है कि वह सही समय पर सही पक्ष चुनता है या सुविधा के लिए मौन रह जाता है।

कृष्ण ने धर्म को किसी संकीर्ण दायरे में नहीं बांधा। उनके लिए धर्म का अर्थ था- कर्तव्य, न्याय और सत्य के पक्ष में खड़ा होना। यही कारण है कि गीता का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। आधुनिक दुनिया में हमारे पास विज्ञान है, तकनीक है, संचार का अफवाहों का प्रसार हो या सर्वजनिक जीवन में बढ़ती कटुता,इन सबके सामने समाज की चुप्पी भी एक तरह की जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति अर्जुन की तरह अपने-अपने कुरुक्षेत्र में खड़ा है। सवाल यह है कि वह सही समय पर सही पक्ष चुनता है या सुविधा के लिए मौन रह जाता है।

कृष्ण ने धर्म को किसी संकीर्ण दायरे में नहीं बांधा। उनके लिए धर्म का अर्थ था- कर्तव्य, न्याय और सत्य के पक्ष में खड़ा होना। यही कारण है कि गीता का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। आधुनिक दुनिया में हमारे पास विज्ञान है, तकनीक है, संचार का अफवाहों का प्रसार हो या सर्वजनिक जीवन में बढ़ती कटुता,इन सबके बीच यदि विवेक और नैतिकता कमजोर पड़ जाए तो प्रगति अधूरी रह जाती है।

आज राजनीति भी कृष्ण के संदेश से बहुत कुछ सीख सकती है। राजनीति लोकतंत्र की सेवा का माध्यम है, सत्ता प्राप्त करने का साधन नहीं। विरोधी विचार रखने वाला व्यक्ति शत्रु नहीं होता। कृष्ण ने संवाद को महत्व दिया। उन्होंने युद्ध से पहले शांति का प्रयास किया। इसका अर्थ साफ है कि संघर्ष अंतिम विकल्प होना चाहिए, पहला नहीं। आज सार्वजनिक जीवन में संवाद की जगह आरोप और प्रत्यारोप बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे समय में कृष्ण का शांति-दूत वाला स्वर याद करना जरूरी है।

कृष्ण हमें यह भी सिखाते हैं कि सफलता का अर्थ दूसरों को पीछे छोड़ देना नहीं है। गोकुल का कान्हा अपने मित्रों के बीच सहज है। सुदामा के साथ उनका संबंध बताता है कि मित्रता में पद, धन और प्रतिष्ठा की कोई जगह नहीं होती। आज जब रिश्तों का मूल्य कई बार आर्थिक और सामाजिक हैसियत से तय होने लगा है, तब कृष्ण-सुदामा की कथा हमें याद दिलाती है कि मनुष्य की असली पहचान उसकी संवेदना है और शायद आज सबसे ज्यादा जरूरत उसी संवेदना की है।

हमारे शहर बढ़ रहे हैं, इमारतें ऊंची हो रही हैं, सड़कों का विस्तार हो रहा है, अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है, लेकिन क्या हमारे भीतर का मनुष्य भी उतना ही बढ़ा हो रहा है? किसी गरीब की परेशानी देखकर हम कितनी दूर रुकते हैं? किसी बुजुर्ग की अकेलेपन की आवाज कितनी दूर तक पहुंचती है? किसी बच्चे

परीक्षण और विशेषज्ञ सलाह से ही इसकी संभावना जनहित में बदली जा सकती है।

हर पौधा लग जाने से हरियाली नहीं बनती; उसकी सांसें बची रहें, तभी प्रयास सार्थक है। यही इस योजना की सबसे बड़ी चुनौती है। सरकारी योजनाओं में पौधों की संख्या गिनना आसान है, उनकी जीवित रहने की दर गिनना असली प्रशासनिक कसौटी है। इसलिए सफलता का पैमाना 'कितने पौधे लगाए' नहीं, बल्कि 'कितने बचे, कितने बढ़े और कितना उपयोगी हुए' होना चाहिए। राजमार्ग प्राधिकरण, वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारियां स्पष्ट हों। नियमित स्वतंत्र मूल्यांकन हो और नष्ट पौधों का पुनरोपण सुनिश्चित किया जाए। स्थानीय लोगों को संरक्षण से जोड़ने के लिए पुरस्कार और प्रोत्साहन मिलें। जवाबदेही जितनी साफ होगी, योजना उतनी ही कागज से निकलकर जमीन पर जड़ पकड़ेगी। सड़कें जब केवल दूरी नहीं, देश की सोच भी तय करने लेंगी, तभी विकास का अर्थ व्यापक होता है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर औषधीय पौधों की पहल इसी बदलती सोच की अभिव्यक्ति है। राजमार्ग देश की धमनियां हैं तो उनके किनारे उगती हरियाली प्रकृति, स्वास्थ्य और समाज के बीच जीवंत सेतु बन सकती है। इसकी सफलता पौधों की संख्या या सड़क की सुंदरता में नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, किसान की आय, आयुर्वेदिक ज्ञान, जैव-विविधता और स्वास्थ्य-जागरूकता में दिखाई देगी। तब राजमार्ग केवल दूरी घटाने वाली राह नहीं रहेगा—वह देश की यात्रा में जीवन को बेहतर बनाने वाली हरित धारा बन जाएगा।

—प्रो. आरके जैन

हे कृष्ण, तुम फिर आ जाओ...

के सपने में हम कितना अपना योगदान देते हैं? किसी पीड़ित के लिए हमारी आवाज कितनी मजबूत होती है?

जन्माष्टमी इन सवालों से बचने का नहीं, उनका सामना करने का पर्व है। इस बार जब मंदिरों में घंटियां बजेगी, घरों में झुले सजेंगे और आधी रात को कान्हा के जन्म का उत्सव मनाया जाएगा, तब शायद हमें एक क्षण ठहरकर सोचना चाहिए कि हम किस कृष्ण को याद कर रहे हैं। माखन चुराने वाले बाल कृष्ण को, बांसुरी बजाने वाले कृष्ण को या अर्जुन के सारथी कृष्ण को?

आज हमें तीनों की जरूरत है। हमें जीवन में बाल कृष्ण की सहजता चाहिए, तो मुरलीधर का प्रेम भी चाहिए और साथ में पार्थसारथी का विवेक भी।

हमें अन्याय के सामने खड़े होने का साहस चाहिए और अपने निर्णयों में धर्म का बोध भी।

कृष्ण के आने का अर्थ साहस किसी चमत्कार का इंतजार करना नहीं है। कृष्ण तब आते हैं, जब कोई अन्याय के सामने सच बोलता है। कृष्ण तब आते हैं, जब कोई कमजोर का हाथ थामता है। कृष्ण तब आते हैं, जब कोई सत्ता से ऊपर सत्य को मानता है। कृष्ण तब आते हैं, जब कोई अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज के बारे में सोचता है।

इसलिए आज जरूरत आसमान की ओर देखकर यह पूछने की नहीं कि कृष्ण कब आएंगे। जरूरत अपने भीतर झांकने की है कि हम उनके आने लायक समाज बना भी रहे हैं या नहीं।

द्वार में कृष्ण देवकी के गर्भ से जन्मे थे। आज शायद उन्हें किसी गर्भ से जन्म लेने की जरूरत नहीं। आज उन्हें हमारे विचारों में जन्म लेना है, हमारे व्यवहार में उतरना है, हमारे निर्णयों में दिखाई देना है और हमारे समाज की संवेदना में जीवित होना है। फिर भी मन की पुकार यही है-

हे कृष्ण, तुम फिर आ जाओ- आओ तो इस बार किसी कारागार में नहीं, हमारे भीतर जन्म लेना। आओ तो किसी एक कंस का अंत करने नहीं, हमारे भीतर के अहंकार, लोभ और भय को समाप्त करने। आओ तो हमें यह समझाने कि धर्म किसी मंदिर की दीवारों तक सीमित नहीं, वह हमारे आचरण में दिखाई देता है। आओ और फिर से कहे- कर्म करो, सत्य के साथ खड़े रहो और परिणाम की चिंता में अपने कर्तव्य से मत हटो।

क्योंकि आज भी समाज को एक कृष्ण की जरूरत है,और शायद उससे ज्यादा जरूरत है,कृष्ण के विचारों को अपने भीतर जगाने की।

–धनंजय राजौरा

तकनीक की लत के शिकार होते बच्चे



सिखाया जाए कि यदि जीवन में ये चीजें नहीं, तो कुछ नहीं।

आप हर रस में पिछड़ जाएंगे। यह सब पढ़ते हुए आमजन को मूर्ख बनाने के कितने ही तरीके याद आ रहे थे। बहुत पहले बड़ी-बड़ी अभिनेत्रियां एक खास ब्रांड के साबुन का विज्ञापन करती थीं। इस साबुन का विज्ञापन करने वाली किसी भी हीरोइन ने शायद ही कभी इसका इस्तेमाल किया हो। चाकलेट का विज्ञापन बहुत से अभिनेता-अभिनेत्रियां करते हैं। कई साल पहले एक अभिनेत्री ने कहा था कि उसके बच्चे ने आज तक चाकलेट नहीं खाई। यदि वह कोई अच्छा काम करता है, तो उसे पुरस्कार के रूप में गुड़ दिया जाता है।

यह मार्केटिंग का ही असर है कि लोग बच्चों को तमाम जंक फूड खिलाते हैं शान समझते हैं। आजकल बच्चे भारतीय भोज्य पदार्थों के मुकाबले स्कूल में लंच के लिए भी ऐसे ही हाई कैलोरी खाने की चीजों को पसंद करते हैं। ऐसी विज्ञापनबाजी के कारण ही भारत के पारंपरिक मिठाई उद्योग पर खतरा मंडा रहा है। कई खेती करने वाले लोग कह चुके हैं कि वे अपने खेतों में दो तरह की फसलें उगाते हैं। एक वे जिनमें जरा भी कीटनाशक नहीं डाला जाता। वे परिवार के खाने के लिए होती हैं। दूसरी तरह की खेती ऐसी है, जिसमें भरपूर मात्रा में कीटनाशक डाला जाता है, क्योंकि वे बेचने के लिए होती हैं।

यानी सब बच्चें, बाकी किसी और का क्या होता है, इससे हमें क्या मतलब। कहने को तो यह कहा जाता है कि सब बराबर हैं। जो हम खाते हैं, उससे बेहतर अतिथि को खाने को देते हैं या दूसरों के बच्चों को अपना कच्चा मानें, लेकिन जब दुनिया भर के लोगों में फैले अपने-पराक की भावना नजर आती है तो ये सारी बातें कोरी किताबी लगने लगती हैं।

एक तरफ वैद्वटी की बातें की जाती हैं और यह कहा जाता है कि हम सब बराबर हैं, मगर अफसोस है कि मुनाफे के लिए हर तरह की तरकीबें अपनाई जा रही हैं और लोगों की सेहत से भी खिलवाड़ किया जा रहा है।

–सुनील कुमार महला

कैंसर से जंग जीतकर सामान्य जीवन की ओर बढ़ा 35 वर्षीय भूर सिंह

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का नाम सुनते ही अक्सर मरीज और उसके परिवार के सामने चिंता, डर और आर्थिक परेशानियों की लंबी तस्वीर खड़ी हो जाती है। लेकिन सही समय पर विशेषज्ञ उपचार, जटिल परिस्थितियों में सही सर्जरी और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ कैंसर के खिलाफ जंग जीती जा सकती है। 35 वर्षीय भूर सिंह की कहानी इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

भूर सिंह रेक्टम कैंसर से पीड़ित थे। बीमारी के इलाज के लिए उन्होंने पेटलावद, बड़ौदा और इंदौर सहित विभिन्न स्थानों पर उपचार कराया। कई जगह इलाज कराने के बाद उन्हें घर भेज दिया गया था। इसके बाद



भूर सिंह बेहतर उपचार की उम्मीद लेकर स्वयं अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल देवास में चिकित्सकीय परामर्श के लिए पहुंचे।

यह एक जटिल और चुनौतीपूर्ण मामला

था। मरीज की स्थिति का विस्तृत मूल्यांकन करने के बाद सर्जिकल ओन्कोलोजी के विशेषज्ञ डॉ. उमेश जेटवानी ने उपचार की योजना बनाई। मरीज की लो एंटीरियर रिसेक्शन जैसी जटिल कैंसर सर्जरी

सफलतापूर्वक की गई।

इस कठिन ऑपरेशन में पूरी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. हेमंत मित्तल, एनेस्थीसिस्टा टीम की डॉ. प्रिया, तथा सर्जिकल टीम के डॉ. कौशल, डॉ. रजत, डॉ. शफक और डॉ. विजय ने उपचार में अपना योगदान दिया।

सर्जरी के बाद भूर सिंह की स्थिति में लगातार सुधार हुआ। आज वे ठीक हैं और सामान्य जीवन जी रहे हैं। बीमारी के कठिन दौर से निकलकर सामान्य जीवन की ओर लौटना उनके और उनके परिवार के लिए किसी नई जिंदगी से कम नहीं है।

इस पूरे उपचार की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी रही कि आर्थिक परेशानी के कारण इलाज से वंचित होने वाले परिवारों के लिए ऐसी सरकारी स्वास्थ्य योजनाएँ एक

बड़ी उम्मीद बनकर सामने आती हैं। भूर सिंह का पूरा इलाज PMJAY (आयुष्मान) योजना के अंतर्गत अमलतास सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में निःशुल्क किया गया। अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के चेयरमैन श्री मयंक राज सिंह भदौरिया जी द्वारा बताया गया की भूर सिंह की कहानी सिर्फ एक सफल सर्जरी की कहानी नहीं, बल्कि उम्मीद, हिम्मत और सही उपचार पर विश्वास की कहानी है। कई जगह इलाज के बाद जब रास्ते मुश्किल नजर आ रहे थे, तब अमलतास सुपर स्पेशलिटीअस्पताल में हुए जटिल उपचार ने उनके जीवन को एक नई दिशा दी। आज भूर सिंह स्वस्थ हैं, सामान्य जीवन जी रहे हैं और उनके चेहरे की मुस्कान इस बात की गवाही देती है कि कैंसर की चुनौती के सामने भी उम्मीद कभी नहीं छोड़नी चाहिए।

व्यक्ति के जीवन में गुरुओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है: कलेक्टर श्री सिंह



जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षक दिवस के अवसर पर कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जबलपुर द्वारा आज पंडित लज्जा शंकर झा शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल में जिला स्तरीय 'शिक्षक सम्मान समारोह-2026' का

आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह रहे। संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण श्री घनश्याम सोनी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन, दीप प्रज्वलन एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक दिवस हमारे जीवन में गुरुओं की भूमिका को स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। व्यक्ति जीवन में जिस स्तर और मुकाम पर पहुंचता है, उसमें उसके गुरुओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह अवसर हमें अपने जीवन में शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और संस्कारों को याद करने का भी अवसर देता है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि समय के साथ शिक्षा व्यवस्था और समाज में अनेक बदलाव आए हैं। पहले की गुरुकुल परंपरा और शिक्षा व्यवस्था में अनुशासन तथा गुरु के प्रति सम्मान का विशेष महत्व था। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय विद्यालयों में प्रधानाध्यापक, प्राचार्य और शिक्षकों के प्रति विद्यार्थियों के मन में विशेष सम्मान और अनुशासन की भावना होती थी। उन्होंने कहा कि पिता और गुरु दोनों ही व्यक्ति के जीवन में मूल्य और अनुशासन स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिस प्रकार परिवार में पिता बच्चों को अनुशासित करते और जीवन के लिए तैयार करने का कार्य करते हैं, उसी प्रकार विद्यालय में शिक्षक विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और उन्हें सही दिशा देने का कार्य करते हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों के सामने चुनौतियां भी बदल गई हैं। आज बच्चों को पढ़ाई के प्रति केंद्रित रखना, उनमें अनुशासन विकसित करना तथा जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है। आधुनिक तकनीक और मनोरंजन के अनेक साधनों के कारण बच्चों के सामने ध्यान भटकाने वाले विकल्प लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मनोरंजन के साधन लोगों की पहुंच में हर समय उपलब्ध हैं। मोबाइल और अन्य आधुनिक माध्यमों के कारण बच्चे ही नहीं बल्कि सभी आयु वर्ग के लोग लगातार मनोरंजन और विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रहते हैं। ऐसे वातावरण में बच्चों को फोकसचित होकर पढ़ाई करने, अनुशासित रहने और जीवन के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित करना शिक्षकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

विशिष्ट अतिथि संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण जबलपुर संभाग श्री सोनी ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जीवन में शिक्षक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। शिक्षक विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण कर उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए सुयोग्य नागरिक बनाने का कार्य करते हैं।

समारोह के प्रारंभ में जिला शिक्षा अधिकारी श्री गौतम बर्वे ने बताया कि जिले के 14 सेवाविभूक्त प्राचार्य एवं शिक्षकों तथा वर्तमान में कार्यरत 90 प्राचार्यों एवं शिक्षकों सहित कुल 104 प्राचार्यों एवं शिक्षकों का उनके उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर सम्मान के लिए चयन किया गया है। इनका चयन संकुल प्राचार्यों एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारियों की अनुशंसा के आधार पर किया गया।

योजनाओं की जानकारी, शिकायत और सुझाव हेतु संपर्क किया जाता है। अब तक सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। जन सामान्य में नागरिकों की समस्या के निराकरण के लिये सीएम हेल्पलाइन 181 काफी लोकप्रिय है।

महिला हेल्पलाइन- महिला उरीइन से बचाव के लिये महिला हेल्पलाइन का संचालन भी किया जा रहा है। महिला हेल्पलाइन के संचालन के लिये सीएम हेल्पलाइन 181 से एकीकरण किया गया है। महिला हेल्पलाइन में महिलाओं से

संबंधित अपराधों और समस्याओं में महिला की काउंसलिंग कर तत्काल राहत पहुँचाई जा रही है। सीएम जन सेवा- सीएम जनसेवा का शुभारंभ प्रदेश में लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर किया गया था। इसका संचालन भी 181 के माध्यम से किया जा रहा है। सीएम जन सेवा के माध्यम से 7 प्रमुख सेवाएँ, इनमें स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, चालू खसरा की प्रतिलिपि, खतौनी की प्रतिलिपि, चालू नक्शा की प्रतिलिपि, भू-अधिकार

पुस्तिका की प्रतिलिपि और स्पेसिमेन कार्पी (खसरा, खतौनी एवं नक्शा) टोल-फ्री नंबर 181 पर एक कॉल पर SMS/Whatsapp ऐप के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। दिव्यांग हेल्पलाइन- दिव्यांगजनों की समस्याओं के तेजी से निराकरण किये जाने के मकसद से फरवरी 2023 में दिव्यांग हेल्पलाइन प्रारंभ की गई है। यह हेल्पलाइन 181 से ही जुड़ी हुई है। यह सभी सेवाएँ लोक सेवा प्रबंधन द्वारा नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही है।



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, ब्लॉक शाजापुर के तत्वावधान में माटी गणेश ङ्कसिद्ध गणेश प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य माटी से भगवान गणेश की प्रतिमा निर्माण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी अपनाने तथा भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जन अभियान परिषद के अशासकीय सदस्य एवं श्री विनोद मोहने रहे। विशेष अतिथि के रूप में श्री अर्निल विर्मा, श्री राजाराम कटारिया, आईटीआई प्राचार्य श्री इंद्र धाकड़, घुमंतू-अर्धघुमंतू समाज के सभाग संयोजक, ब्लॉक समन्वयक श्री बंसत रावत एवं माटी गणेश के प्रशिक्षक श्री कुलदीप संधव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती की पूजा-अर्चना से हुआ। अतिथियों का तिलक एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत करते हुए ब्लॉक समन्वयक श्री बंसत रावत ने जन अभियान परिषद द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक गतिविधियों एवं जनभागीदारी के कार्यों की जानकारी दी।

मुख्य अतिथि श्री विनोद मोहने ने कहा कि माटी से गणेश प्रतिमा निर्माण हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा से जुड़ा हुआ है। पर्यावरण हितैषी माटी गणेश की स्थापना से धार्मिक आस्था के साथ-साथ जल

एवं पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने युवाओं से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं समिति सदस्यों को माटी से गणेश प्रतिमा निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों ने स्वयं माटी से गणेश प्रतिमा बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वक्ताओं ने आगामी गणेश उत्सव में अधिक से अधिक लोगों को माटी गणेश की स्थापना के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता श्री महेश सिसोदिया ने किया कार्यक्रम के माध्यम से माटी गणेशङ्कसिद्ध गणेश का संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी अपनाने एवं भारतीय संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया गया।

माटी गणेश सिद्ध गणेश प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर सर्किट हाउस का होगा अत्याधुनिक स्वरूप में उन्नयन - लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जबलपुर सर्किट हाउस का अत्याधुनिक स्वरूप में उन्नयन किया जाएगा। रीडेसिफिकेशन योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा 75 कक्षाी नवीन सर्किट हाउस का निर्माण किया जाएगा। नवीन भवन को 5 स्टार ग्रीन रेटिंग के अनुरूप विकसित किया जाएगा, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने यह जानकारी मंत्री निवास पर जबलपुर सर्किट हाउस की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक के उपरांत दी।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के निर्देश पर प्रदेश के सभी सर्किट हाउस एवं शासकीय विश्राम गृहों के उन्नयन की योजना तैयार की गई है। प्रथम चरण में जबलपुर एवं भोपाल के सर्किट हाउस का अत्याधुनिक स्वरूप में उन्नयन किया जाएगा। इसी कार्ययोजना के संबंध में मंत्री निवास पर



आयोजित बैठक में एमपीआरडीसी के एमडी श्री भरत यादव, बीडीसी एमडी श्री सी.बी. चक्रवर्ती, कलेक्टर जबलपुर श्री राघवेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में शासन द्वारा

संचालित अधिकांश विश्राम गृह वर्षों पुराने हैं। बदलते समय और बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए इनके आधुनिकीकरण की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से चरणबद्ध तरीके से सर्किट हाउस एवं विश्राम गृहों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जबलपुर सर्किट हाउस में आधुनिक अतिथि आवास सुविधाओं के साथ वीवीआईपी, वीआईपी एवं शासकीय अतिथियों के लिए बेहतर आवास व्यवस्था उपलब्ध होगी। साथ ही उच्च स्तरीय बैठकों एवं सम्मेलनों के लिए 100 सीटों वाला सम्मेलन कक्ष भी निर्मित किया जाएगा।

ग्वालियर जिले में कृषि, उद्यानिकी और पशुपालन क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में ठोस पहल

प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण और नरल सुधार सहित कई योजनाओं से मिल रहा किसानों को लाभ

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर

जिले में उन्नत खेती के साथ-साथ उद्यानिकी व पशुपालन को बढ़ावा देकर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप किसानों की आय बढ़ाने के लिये विभागीय योजनाओं को प्रभावी ढंग से मूर्तरूप दिया जा रहा है। प्राकृतिक व जैविक खेती व फसल विविधीकरण को दिया गया बढ़ावा धरातल पर मूर्तरूप ले रहा है। साथ ही उद्यानिकी फसलों के रकबे में विस्तार तथा पशुपालन में नरसु सुधार जैसे नवाचारों से किसानों को आर्थिक लाभ मिल रहा है।

कृषि क्षेत्र में नवाचार- जिले में कुल 214000 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है, जिसमें खरीफ सीजन में धान, ज्वार, बाजरा, तिल तथा रबी सीजन में गेहूँ, सरसों, चना, मसूर जैसी फसलें ली जा रही हैं। नवाचार के तहत 50 हेक्टेयर में फलदार, सब्जी व अन्य पौधों की नर्सरी तैयार की जा रही है, जिसमें 3 लाख पौधों का उत्पादन कर विभिन्न विभागों व कार्यक्रमों के जरिए रोपण कराया जा रहा है। फसल विविधीकरण के तहत खरीफ-2026 में 6759 हेक्टेयर में तिल की बोवनी की गई है। प्राकृतिक खेती के तहत 25 क्लस्टरों में 17 बायो रिसर्च सेंटरों के माध्यम से 3125 किसानों की 1250 मौके पर मुस्तेद रही। जैविक हट के आयोजन के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन एवं उपसंचालक कृषि डॉ. इंदिरा त्रिपाठी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पाटन श्रीमती सीमा राउत कृषि विस्तार अधिकारी प्रियांशी नाग, राहुल मिश्रा सहित विकासखंड पाटन की कृषि विभाग की संपूर्ण टीम उपस्थित रही।

से प्रोत्साहन स्वरूप उपलब्ध कराई गई है। 1,15,371 ई-टोकनों के माध्यम से 58,160 किसानों को खाद उपलब्ध कराय- खरीफ-2026 में ई-विकास प्रणाली के तहत 1,15,371 ई-टोकनों के माध्यम से 58,160 किसानों को 32,945 मैट्रिक टन रासायनिक उर्वरकों का वितरण सहकारी समितियों, मार्कफेड इत्यादि संस्थाओं के माध्यम से सफलतापूर्वक किया गया है।

उद्यानिकी में तेज विस्तार, आलू-फूलों की खेती में बदल रही तकदीर-प्रदेश में कृषि क्षेत्र का लगभग 9.1 प्रतिशत हिस्सा उद्यानिकी फसलों के अंतर्गत है, जबकि ग्वालियर जिले में यह आंकड़ा बढ़कर करीब 17 प्रतिशत हो गया है। इस वर्ष इसे 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। देश-प्रदेश में आलू उत्पादन के लिए भी ग्वालियर जिले की विशेष पहचान है। ग्वालियर में केन्द्रीय आलू अनुसंधान केन्द्र कार्यरत है। जिले में 4650 हेक्टेयर में आलू तथा 218 हेक्टेयर में फूलों की खेती हो रही है। देश की राजधानी दिल्ली मंडी ग्वालियर के नजदीक होने से फूलों व विदेशी सब्जियों की खेती की प्रबल संभावनाओं को देखते हुए विगत तीन वर्षों में 1250 हेक्टेयर क्षेत्र का विस्तार हुआ है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हुई है। जिले में अमरूद 504 हेक्टेयर, नींबू 432 हेक्टेयर, मटर 2558 हेक्टेयर तथा टमाटर का रकबा 1277 हेक्टेयर है। ग्वालियर जिले में कुल कृषि फसल उत्पादन 3786 करोड़ रुपये का होता है, जिसमें उद्यानिकी फसलों का योगदान 1393 करोड़ रुपये है, जो कुल कृषि आय का 36.79 प्रतिशत है।

रपटों, पुलों और पुलियों पर पानी होने पर रास्ता पार न करें : कलेक्टर श्री बालागुरू के.

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षा काल को देखते हुए कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें तथा वर्षा के दौरान किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने से बचें। उन्होंने नागरिकों से कहा है कि रपटों, पुलों एवं पुलियों पर पानी होने की स्थिति में रास्ता पार करने का प्रयास न करें। थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना के कारण बन सकती है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि वर्षा के दौरान नदी , नाले, तालाब, डेम, जलप्रपात (वॉटरफॉल) तथा अन्य जलस्रोतों का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है। इसलिए नागरिक ऐसे स्थानों पर पिकनिक मनाने अथवा घूमने जाने से बचें। उन्होंने अभिभावकों से विशेष रूप से आग्रह किया कि वे बच्चों को नदी, तालाब, नालों एवं अन्य जलाशयों में नहाने या खेलने के लिए जाने से रोकें तथा उनकी गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखें। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी एसडीएम , तहसीलदारों, नगर पालिका सीएमओ तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले के नदी-नालों, तालाबों, डेमों, रपटों, पुल-पुलियों, वॉटरफॉल एवं जलप्रपात वाले क्षेत्रों की सतत निगरानी रखें। उन्होंने स्थानीय स्तर पर सतर्कता बनाए रखने, लोगों को समय पर सचेत करने तथा आवश्यकता पड़ने पर जोखिम वाले क्षेत्रों से लोगों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश भी दिए हैं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिलेवासियों से मौसम विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने , तथा किसी भी अपात स्थिति की सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन अथवा पुलिस को देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सावधानी ही सुरक्षा का सबसे प्रभावी उपाय है और सभी नागरिकों का सहयोग जन-धन की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

बदलते मौसम में निमोनिया से बचाव एवं उपचार की दी सलाह

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदलते मौसम में बच्चों में निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं उसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने आम जनों को सलाह दी है कि निमोनिया के आकलन, निमोनिया का वर्गीकरण, खतरनाक लक्षणों के चिन्हों की पहचान, समुदाय आधारित निमोनिया का प्रबंधन, उपचार एवं रेफरल के संबंध में मैदानी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बदलते मौसम में बच्चों को निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं इसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए विभाग तैयार है। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की एएनएम को निमोनिया के संबंध जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सर्दी के मौसम में बच्चों में निमोनिया के केसेस ज्यादा पाए जाते हैं। इसे देखते हुए मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अवगत किया गया है। जिससे कि वह अपने क्षेत्र में निमोनिया के लक्षण वाले बच्चों की शीघ्र पहचान कर शीघ्र प्रबंधन कर सकें। निमोनिया फेफड़े का संक्रमण है। जिससे फेफड़ों में सूजन हो जाती है। निमोनिया होने पर बुखार खासी और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। तेज सांस चलना या छाती का धंसना निमोनिया के दो मुख्य चिह्न है। प्रशिक्षण में शिशु रोग विशेषज्ञों द्वारा प्रभाव बच्चों में सांस की दर को गिनकर निमोनिया के लक्षणों की पहचान के संबंध में जानकारी दी गई।

पुष्टिभक्ति के रंग में रंगा बड़नगर, श्री मदनमोहन भवन में गूंजा ‘नंद के आनंद भयो’

मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण महाप्राकट्य, बधाई-कीर्तन और पालना मनोरथ में भावविभोर हुए श्रीवैष्णव

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। रंगार सेरी स्थित पुष्टिमागीय वल्लभ संप्रदाय के श्री मदनमोहन मांगलिक भवन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। रोहिणी नक्षत्र के शुभ संयोग में श्री ठाकुरजी का दिव्य शृंगार किया गया। पुष्पों से सुसज्जित हवेली में गोधूलि वेला से ही दर्शन एवं जन्मोत्सव के लिए श्रीवैष्णवजनों का आगमन शुरू हो गया था। जन्मोत्सव के अवसर पर हवेली संगीत एवं ‘बधाई-कीर्तन’ का आयोजन हुआ। पुरुषोत्तम सोनी, मोहन सेठ गुप्ता, मुरली नीमा, कृष्णदास गुप्ता एवं गोविंद अनावड़िया ने माधुर्य



भाव से युक्त सुमधुर पद, भजन एवं कीर्तन प्रस्तुत किए। कीर्तन की रसधारा में उपस्थित श्रीवैष्णवजन भावविभोर होकर ठाकुरजी के आनंदोत्सव में सहभागी बने। मध्यरात्रि में हुआ श्रीकृष्ण महाप्राकट्य-

मध्यरात्रि 12 बजे शुभ जन्म नक्षत्र के आगमन के साथ ही श्रीकृष्ण महाप्राकट्य का दिव्य क्षण आया। शंखध्वनि, झालर-मंजीरों एवं मंगल वाद्यों की पावन गूंज के बीच पूरा हवेली परिसर नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से गूंज उठा।

इस अवसर पर हवेली के मुखिया प्रभुलाल शर्मा द्वारा श्री शालिग्राम प्रभु का शास्त्रोक्त विधि-विधान से पंचामृत-दूध, दही, घृत, मधु एवं शर्करा-से अभिषेक कराया गया। इसके बाद गोविंद नीमा ने मंगल बधाई गान प्रस्तुत

किया।

पालना मनोरथ और बधाई सेवा-जन्मोत्सव के पश्चात श्रीवैष्णवों ने परस्पर कुमकुम तिलक लगाकर जन्माष्टमी की बधाई दी। बालस्वरूप में विराजित श्री ठाकुरजी का वात्सल्य भाव से पालना मनोरथ किया गया। श्रद्धालुओं ने प्रेमपूर्वक ठाकुरजी को पालना झुलाया। अंत में प्रसादी वितरित की गई।

महोत्सव में विजय नीमा, रामनिवास नवहाल, कामेश गुप्ता, अर्चित गुप्ता, निलेश नीमा, नरसिंह नागर, जितेन्द्र परमार, बबलू भावसार सहित बड़ी संख्या में श्रीवैष्णवजन एवं धर्मप्रेमी नागरिक उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने शिक्षाविद प्रेम कुमार खींची का किया अभिनंदन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ द्वारा शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित कर प्रख्यात शिक्षाविद श्री प्रेम कुमार खींची का भावभीना अभिनंदन किया गया। इस दौरान शिक्षा उपाय एवं सामाजिक क्षेत्र में उनके द्वारा दिए गए उत्कृष्ट योगदान को रेखांकित करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के तहसील अध्यक्ष कन्हैयालाल वर्मा ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का पुण्य स्मरण किया। उन्होंने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए समाज निर्माण में शिक्षक दिवस के महत्व को विस्तार से समझाया। वहीं वरिष्ठ सदस्य उदय कुमार अग्निहोत्री ने शिक्षाविद खींची



के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षा व समाज सेवा में खींची द्वारा स्थापित आदर्शों की सराहना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

सम्मान से अभिभूत शिक्षाविद प्रेम कुमार खींची ने राज्य कर्मचारी संघ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि साथियों का यह स्नेह व सम्मान उन्हें निरंतर समाज सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

कार्यक्रम में नर्सिंग ऑफिसर साक्षी पाटिल, अनूपा वर्मा, सपोर्ट स्टाफ सीमा वसुनिया, वंदना, रूपेश कच्छवा, मनोहर लाल, आशुतोष, बालकृष्ण प्रजापत, सुरेश चौहान, विजय, दिलीप, मनीष जोशी एवं महदेव माली सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं अंत में सभी का आभार प्रदर्शन विकास खंड कोषाध्यक्ष दिनेश पंचोली द्वारा किया गया।

बछ बारस व्रत, होगी गाय ओर बछड़े की पूजा



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। भादवा मास की कृष्ण पक्ष की,, बछ बारस (गौवत्स द्वादशी) व्रत 8 सितंबर मंगलवार को आ रहा है। पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने बताया कि इस दिन सुहागिन महिलाएं व्रत रखकर गाय बछड़े को जल से स्नान करा, नया वस्त्र धारण करा,, कुमकुम का तिलक कर, गुड मक्का की रोटी खिलाकर पूजा करेगी,, क्योंकि गौ माता में सभी देवता विराजमान है। मान्यता है गौ माता व बछड़े की पूजा व कथा श्रवण करने से बच्चों की लंबी उम्र और परिवार में सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है इस दिन महिलाओं को गाय के दूध का सेवन करना वर्जित है साथ ही भोजन में गेहूं की रोटी और चाकू से कटी सब्जी नहीं खाना चाहिए। ज्वार, मक्का बाजरे की रोटी एवं बेसन और दालो का भोजन में उपयोग करना चाहिए जानकारी देवपुरी गोस्वामी ने दी।

शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़नगर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान समारोह का

आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. किरण मंडलोई ने की। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक समीर पटेल ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया गया, जिसे स्वयंसेवी साक्षी सिसोदिया, भूमिका, माधवराज, विनोद, आर्यन द्वारा गाया गया। रा से यो, पूर्व प्रभारी सुनीता कुमावत ने अपने उद्बोधन के माध्यम से पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व-कृतित्व के बारे में बता कर विद्यार्थियों को प्रेरित किया । अंत में विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के सभी शिक्षकों को उपहार प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का आभार स्वयंसेवक शुभम राठौर ने किया व आयोजन आयुषी तवर और सावन मसार का योगदान रहा।

धर्म-संस्कार की सीख के साथ 70 बच्चों को मिली शिक्षा की सौगात

सरदारमल विमलचंद नागदा परिवार बने लाभार्थी छह रविवार तक चला धार्मिक संस्कार शिविर, समापन पर स्कूल बैग एवं पेन वितरित

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में चातुर्मास हेतु विराजमान प.पू. साखी भगवंत श्री अहमंभ्रता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-4 की पावन निश्रा एवं ठेपणा से बच्चों में धार्मिक एवं नैतिक संस्कारों का बीजारोपण करने के उद्देश्य से आयोजित छह रविवार के धार्मिक संस्कार शिविर का समापन हुआ। श्री पार्श्वप्रधान पाशांला भवन में आयोजित इस शिविर में करीब 70 बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर धर्म, संस्कार एवं जीवन मूल्यों की शिक्षा प्राप्त की।

छह रविवार तक चले शिविर में बच्चों को धर्म एवं नैतिकता के साथ अनुशासन, माता-पिता के प्रति सम्मान, सदाचार तथा जीवन में अच्छे संस्कारों के महत्व से अवगत कराया गया। आयोजकों का उद्देश्य बच्चों को धर्म से जोड़ने के साथ उनके व्यक्तित्व में संस्कारों का



विकास करना रहा।

माता-पिता के सम्मान का दिया संदेश - समापन अवसर पर प.पू. साखी श्री ने प्रवचन के माध्यम से बच्चों को माता-पिता के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का भाव रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि माता-पिता का स्नेह, त्याग और आशीर्वाद बच्चों के जीवन की अमूल्य धरोहर है। प्रत्येक बच्चे को सदैव माता-पिता का सम्मान करना चाहिए और

उनके आशीर्वाद को जीवन में विशेष स्थान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि धार्मिक संस्कार शिविरों के माध्यम से बच्चों में धर्म के प्रति रसिक बढ़ने के साथ अच्छे संस्कार एवं जीवन मूल्यों का विकास होता है, जो उनके भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

70 बच्चों को स्कूल बैग एवं पेन वितरित- समापन अवसर पर

शिविर में सहभागी सभी 70 बच्चों को शिविर के लाभार्थी सरदारमल विमलचंद नागदा परिवार की ओर से स्कूल बैग वितरित किए गए। वहीं बच्चों को पेन वितरण का लाभ कमल कुमार जैन ने लिया। शिक्षा सामग्री प्राप्त कर बच्चों में उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम में श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ एवं स्थानिक जैन श्रीसंघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात बच्चों एवं उपस्थितजनों के लिए स्वल्पाहार एवं प्रभावना की व्यवस्था भी की गई।

मीडिया प्रभारी ब्रजेश बोहरा ने बताया कि छह रविवार तक आयोजित संपूर्ण धार्मिक संस्कार शिविर के लाभार्थी एव पेन वितरण के लाभार्थी परिवार एवं सहयोगियों, अभिभावकों एवं शिविर में सहभागी सभी बच्चों के प्रति आभार व्यक्त किया।

देपालपुर विधानसभा में सक्रिय हुए करणी सेना जिलाध्यक्ष

ऋषिराज सिंह सिसोदिया, गांव-गांव कर रहे जनसंपर्क

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। करणी सेना परिवार इंदौर के जिला अध्यक्ष कुंवर ऋषिराज सिंह सिसोदिया इन दिनों देपालपुर विधानसभा क्षेत्र में लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं। वे क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में सहभागिता कर गांव-गांव पहुंचकर आमजन और संगठन के कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे हैं। साथ ही संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

इसी क्रम में गत रात्रि ग्राम अहिरवास में आयोजित सुंदरकांड पाठ के भव्य आयोजन में करणी सेना परिवार के जिला अध्यक्ष कुंवर ऋषिराज सिंह सिसोदिया विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने सुंदरकांड पाठ में सहभागिता कर भगवान श्री हनुमानजी का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा उपस्थित ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं से सौजन्य



भेंट कर विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम में जिला प्रवक्ता गोविंद दरबार बेटमा, तहसील अध्यक्ष महेश हाड़ा, जिला सचिव सोहन पटेल, तहसील कार्यकारी अध्यक्ष जय सिंह दरबार, विधानसभा अध्यक्ष मानवंदर सिंह पंवार, मंडल अध्यक्ष गोविंद चावड़ा, नगर अध्यक्ष नरेंद्र

श्री राजेंद्र कुमार आचार्य शिक्षक की सेवा निवृत्ति पर शाल श्रीफल देकर स्वागत किया

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय माध्यमिक विद्यालय कुलकर्णी भट्टा क्रमांक 51 के आदर्श शिक्षक, पूर्व जिला अध्यक्ष मध्य प्रदेश शिक्षक संघ एवं संचालक शिक्षा विभाग पेड़ी इंदौर के श्री राजेंद्र कुमार आचार्य के सेवानिवृत्ति पर शुभ समृद्धि गार्डन में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें आचार्य का शाल,



श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के श्री रूप सिंह नागर, श्री शशिकांत गुंबरेले, श्री विनय शर्मा,

श्रीमती अनुलता सिंह तंवर, श्री महेंद्र कुशवाहा, श्री सोहनलाल परमार, श्री मोहनदास बैरागी, श्री सौभाग सिंह ठाकुर, श्री कुंभन खंडेलवाल ने शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया, सभी अतिथियों द्वारा श्री आचार्य के द्वारा किए हुए विद्यालय के कार्यों की प्रशंसा की गई। इस अवसर पर श्री सुभाष पाटीदार, श्री जीवनलाल पटेल, श्री राजेंद्र सिंह यादव, श्री महेश

सिंह, विधानसभा मीडिया प्रभारी अखिलेश सिंह राजपूत एवं विधानसभा महामंत्री राजपाल बना सहित करणी सेना परिवार के सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस दौरान ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष कुंवर ऋषिराज सिंह सिसोदिया का आत्मीय स्वागत किया। संगठन के पदाधिकारियों ने क्षेत्र में सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता बढ़ाने तथा करणी सेना परिवार की गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प भी व्यक्त किया।

करणी सेना जिलाध्यक्ष ऋषिराज सिंह सिसोदिया के लगातार क्षेत्रीय दौरों और विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में सक्रिय सहभागिता से संगठन के कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। उनके लगातार जनसंपर्क से देपालपुर विधानसभा क्षेत्र में संगठन की गतिविधियों को भी गति मिल रही है।

श्री राजेंद्र कुमार आचार्य शिक्षक की सेवा निवृत्ति पर शाल श्रीफल देकर स्वागत किया

कुमार वर्मा, श्री राजकुमार पटेल, श्री मोहनलाल गदावलीया, श्री के. के. आर्य, श्रीमती सुरेखा शुक्ला, श्री रमेश चंद्र निनामा, श्रीमती अरुणा मिश्रा सहित अनेक समाजसेवी शिक्षक, शिक्षा विभाग पेड़ी के कर्मचारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री रमेश चंद्र दाधीच एवं आभार श्री अनिल तिवारी एवं अंशुल आचार्य ने माना।

शिक्षक दिवस पर बच्चों ने गुरुओं का किया सम्मान

कृष्णोत्सव में मटकी फोड़ व फैसी ड्रेस प्रतियोगिता ने बांधा सप्ता

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डेस्टिनेशन पब्लिक स्कूल बड़ावदा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों ने मटकी फोड़, फैसी ड्रेस, गरबा नृत्य एवं राधा-कृष्ण की झांकी प्रस्तुत कर उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ संचालिका सुशीला रावल, सह संचालक आदर्श रावल, प्रभारी प्राचार्य राकेश गरगामा एवं सुरपाल सिंह सिसोदिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। सुशीला रावल ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि



उनके संघर्षों पर प्रकाश डाला।

मटकी फोड़ प्रतियोगिता में गिरिजा प्रजापत, करण, इरशाद एवं उज्ज्वल प्रजापत प्रथम रहे। फैसी ड्रेस प्रतियोगिता में लव, कुञ्जन, दर्श, अक्षा, शौर्य, साक्षी एवं चित्रांशी प्रथम रहे, जबकि द्वितीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिताओं की मॉनिटरिंग शिक्षिका अन्नू परमार एवं शिक्षक जीवन परमार ने की। कार्यक्रम का संचालन छात्राओं सिद्धि कुमावत एवं प्रतिज्ञा जाट ने किया। आभार असरा मंसूरी एवं किरण खमोराया ने माना। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जीवन में सफलता के लिए गुरु का मार्गदर्शन और सम्मान आवश्यक है। उन्होंने श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने का उदाहरण दिया।

प्रभारी प्राचार्य राकेश गरगामा ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार और अनुशासन भी जरूरी हैं। सह संचालक आदर्श रावल ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन एवं

माहेश्वरी युवा संगठन ने निकाली बटवाड़िया हनुमान मंदिर तक पैदल यात्रा



बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माहेश्वरी युवा संगठन बड़ावदा के तत्वावधान में माहेश्वरी रामोला मंदिर से बटवाड़िया हनुमान जी मंदिर तक पैदल यात्रा का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। यात्रा में करीब 30 श्रद्धालु पैदल शामिल हुए, जबकि लगभग 40 समाजजन अपने निजी वाहनों से बटवाड़िया पहुंचे।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का विभिन्न स्थानों पर स्वागत-सत्कार किया गया। सबसे पहले गुर्जरबड़िया में मांगीलाल जी नंदराम जी अजमेरा परिवार की ओर से पैदल यात्रियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। इसके बाद ग्राम बरखेड़ी में स्वर्गीय लक्ष्मीनारायण जी अजमेरा परिवार की ओर से यात्रियों का स्वागत कर स्वल्पाहार कराया गया।

इसी क्रम में ग्राम लोद में माहेश्वरी समाज बड़ावदा की ओर से पैदल यात्रियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया तथा स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। जगह-जगह हुए आत्मीय स्वागत से यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला।

बटवाड़िया हनुमान जी मंदिर पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं की उपस्थिति में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसके पश्चात हनुमान जी की आरती की गई तथा सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी का आयोजन रखा गया।

माहेश्वरी युवा संगठन के इस आयोजन में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धार्मिक एवं सामाजिक एकता का संदेश दिया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा।

कलमकार शिक्षकों का शिक्षक दिवस पर सम्मान



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। हिन्दी,उर्दू,मालवी संगम संस्था मालवा प्रान्त इकाई बड़नगर द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में कलमकार शिक्षकों का सम्मान किया गया। यह शिक्षक अपनी

कलम द्वारा समाज का मार्गदर्शन करते हुवे,युवा पीढ़ी को ज्ञान वर्धक रचनाओं के साथ सौहाद,प्रेम और राष्ट्रभक्ति का पाठ पढ़ा रहे हैं। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर के युवा व्यवसायी एवं साहित्यकार अनिल पांचाल विशेष अतिथि समाज सेवी एवं पूर्व पार्षद जनाब चांद खां साहब एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि एवं एडवोकेट दादा नवीन त्रिवेदी मुखिया ने की। कार्यक्रम शुभारंभ प्रसिद्ध भजन गायक सुभाष तिवारी सहज ने ए शारेदे मां सुंदर भजन से किया। सेवानिवृत्त शिक्षक शमोद पंचोली प्रीतेश,हीरालाल सोनारतिया एवं मौलाना में पदस्थ शिक्षिका राधा जी परमार का सम्मान संस्था के संस्थापक शमशाद काजी खच्ची, अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह गोसर सोम एवं सचिव नंदकिशोर अग्निहोत्री समीर ने शाल श्रीफल एवं पुष्प पहनाकर किया। अपने सपारामर्भित उद्गार और रचनाओं के माध्यम से डॉ राधा कृष्णन के व्यक्तित्व के प्रेरणादायी प्रसंगों पर कवि एवं शायर शमशाद काजीखच्ची,हीरालाल सोनारतिया,सुनीता भाटी शशी,रेखा राठौड़,राधा परमार,शैलेन्द्र सिंह सोम,दीपक नागर,शिवम कुमावत ने शिक्षक दिवस के महत्व पर एक से बहुर एक रचनाओं का पाठ चुकी है। आरोप है कि शिक्षाकारों की इस महती कार्यक्रम के लिए भूरी- भूरी प्रशंसा की एवं चांद भाई ने कहा गंगा जमना तहजीब को दर्शाते ऐसे प्रोग्राम में मैं हमेशा तन मन धन से सहयोग करता रहूंगा। दादा नवीन त्रिवेदी ने अपनी प्रसिद्ध कविता गाड़ी का पहिया सुनाकर सबका दिल जीत लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन नंदकिशोर अग्निहोत्री द्वारा किया गया। अंत में आभार सह मीडिया प्रभारी दीपक नागर ने माना।

लाइसेंसी दुकान की आड़ में रंगवासा में खुलेआम चल रहे अवैध शराब के अड्डे!

शराब ठेकेदार के हौसले बुलंद, गांव-गांव पहुंच रही शराब ; शिकायतों के बावजूद जिम्मेदारों की कार्रवाई पर सवाल

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के नजदीक बेटमा थाना क्षेत्र के रंगवासा चौराहे पर संचालित लाइसेंसी शराब दुकान की आड़ में आसपास के गांवों में कथित रूप से अवैध शराब बिक्री का नेटवर्क संचालित होने के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शराब ठेकेदार के एजेंट दोपहिया और चार पहिया वाहनों के जरिए गांव-गांव शराब पहुंचाकर खुलेआम बिक्री कर रहे हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार पुलिस और आबकारी विभाग की कार्रवाई सवालों के घेरे में है।

ग्रामीणों के मुताबिक अटावदा, अजंदा, नेवरी, चटवाड़ा, गिट्ठी खदान क्षेत्र, रावत, दौलताबाद फाटा शिवाड़ खानपुर सहित आसपास के दर्जनों गांवों में शराब बिक्री के कथित अड्डे सक्रिय हैं। आरोप है कि इन स्थानों पर एजेंट बैठकर बेधड़क शराब बेची जा रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में शराब आसानी से उपलब्ध हो रही है और इसका असर



युवा वर्ग पर भी पड़ रहा है।

आहतें पर प्रतिबंध, फिर भी खुलेआम शराबखोरी- ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि शराब दुकान से जुड़े स्थानों पर प्रतिबंध के बावजूद खुलेआम आहतें संचालित किए जा रहे हैं, जहां लोग बैठकर शराब का सेवन करते हैं। इससे आसपास के रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

झगड़े की नौबत आ जाती है।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान पर भी उठे सवाल- एक ओर नशे से दूरी है जरूरी जैसे अभियानों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में खुलेआम शराब बिक्री के आरोप इन अभियानों की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

भाजपा नगर कार्यसमिति की बैठक में संगठन, विकास और सामाजिक समरसता पर हुआ व्यापक मंथन

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी नगर जिला उज्जैन की कार्यसमिति की बैठक आज जिला अध्यक्ष श्री संजय जी अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला प्रभारी श्री बजरंग पुरोहित, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, म.प्र. गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष श्री ओम जैन, म.प्र. पाठ्य पुस्तक निगम अध्यक्ष श्री सौभाग्यसिंह , सिंहस्थ प्राधिकरण अध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल, श्री राजेंद्र शर्मा, श्री रूप पमनानी एवं श्री राजेंद्र भारती मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बैठक का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। जिला अध्यक्ष श्री संजय जी अग्रवाल ने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत-अभिर्नंदन किया तथा संगठन को



मजबूत बनाने में योगदान देने वाले पूर्व जिला अध्यक्षों का स्मरण किया।

महिला सशक्तिकरण सामाजिक परिवर्तन का आधार = कलावती यादव - निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव ने प्रदेश कार्यसमिति में पारित राजनीतिक प्रस्ताव, महिला सशक्तिकरण एवं युवा कल्याण विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल किसी

योजना का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का आधार है। मध्यप्रदेश में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से बड़ी संख्या में महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 5 लाख स्वयं सहायता समूहों से 62 लाख बहनें जुड़ी हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 युवा कल्याण तथा वर्ष 2028 महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष रूप से समर्पित रहेगा, जिसके अंतर्गत युवाओं एवं महिलाओं के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे।

विकसित मध्यप्रदेश और उज्जैन पर विधायक ने रखी बात - विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा ने विकसित मध्यप्रदेश एवं विकसित उज्जैन के विषय पर विस्तार से

जानकारी देते हुए कहा कि सरकार द्वारा उज्जैन के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

सिंहस्थ 2028 के लिए 31,839 करोड़ की योजनाएं स्वीकृत = जगदीश अग्रवाल- सिंहस्थ प्राधिकरण अध्यक्ष श्री जगदीश जी अग्रवाल ने सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन जी यादव के नेतृत्व में उज्जैन को विश्व की सुंदरतम नगरी बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर विकास कार्य किए जा रहे हैं। सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए लगभग 31,839 करोड़ रुपये की योजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

सामाजिक समरसता भाजपा की प्राथमिकता = अनिल फिरोजिया- सांसद श्री अनिल जी फिरोजिया ने सामाजिक समरसता एवं संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि संत रविदास जी

महाराज एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के विचारों के अनुरूप भाजपा सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं बनाकर कार्य कर रही है। उन्होंने सामाजिक समरसता और समानता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर हुआ मंथन-जिला प्रभारी श्री बजरंग पुरोहित ने संगठनात्मक कार्यों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया। जिला अध्यक्ष श्री संजय जी अग्रवाल ने सेवा संकल्प अभियान सहित आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की तथा कार्यकर्ताओं से सक्रियता के साथ संगठन के कार्यों में जुटने का आह्वान किया।

बैठक का संचालन महामंत्री श्री कमलेश बैरवा ने किया तथा आभार श्री जगदीश पांचाल ने व्यक्त किया।

राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल की ललिता चौहान करेंगी उज्जैन संभाग का प्रतिनिधित्व



आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल, आलोट के लिए हर्ष एवं गौरव का विषय है कि विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा ललिता चौहान का उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। ललिता चौहान आगामी

7 सितंबर से 11 सितंबर तक धार जिले के कुक्षी में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में उज्जैन संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगी। विद्यालय परिवार को अपनी होनहार खिलाड़ी की इस शानदार उपलब्धि पर गर्व है। विद्यालय प्रबंधन, प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकगण ने ललिता चौहान को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए उज्ज्वल भविष्य एवं शानदार प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी हैं।

बड़े धूमधाम से निकली गोगा देव महाराज की झांकी



आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट नगर कल रात्रि में वाल्मीकि समाज के आराध्य देव श्री गोगा देव जी महाराज जी का जन्मोत्सव वाल्मीकि समाज द्वारा बड़ी धूम धाम से मनाया गया वाल्मीकि समाज द्वारा इस बार नगर में दो छड़ी निशान के सेहरे निकाले गए , वाल्मीकि महापंचायत गोगा देव मंदिर प्रांगण से छड़ी निशान को भगवान महाप्रभु जगन्नाथ जी के चेहरे का रूप बनाकर सेहरे पर सजाकर आकर्षित साज सज्जा

की गई,जिसके बाद गोगादेव मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई नगर परिषद के पास बने गुरु गोरखनाथ मंदिर पर पहुंची जहां गोरखनाथ जी की आरती कर समापन किया गया। छड़ी के साथ डीजे, ढोल,बाबा भोलेनाथ की झांकी, गुरु वाल्मीकि जी की झांकी एवं अखाड़े के करतब के साथ डमरू ,झांडा की आकर्षक प्रस्तुति दी गई , वही नगर के भाई मोहल्ला,लखारा कुई चौराहा,संजय चौक चौराहा,विजय स्तंभ पर छड़ी के सेहरे का पूजन कर छड़ी के भगत व घोड़ों का फूल माला पहनाकर साफ बांध कर सम्मान किया गया वाल्मीकि समाज के बड़ी संख्या में महिला,पुरुष, युवा,बच्चे साथ थे। वही वाल्मीकि महापंचायत एवं सफाई कर्मचारी संगठन द्वारा नगर वासियों व प्रशासन एवं पत्रकार बंधुओं का आभार मान धन्यवाद दिया गया।

अनुशासन की मिसाल: ताल के सरकारी स्कूल में छात्र बने शिक्षक, नीतू धाकड़ के हाथों में रही कमान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच का संबंध केवल अक्षरों के ज्ञान तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह संस्कारों के आदान-प्रदान का माध्यम है।

इसकी एक जीवंत और अनुशासित बानगी समीपस्थ ग्राम ताल स्थित शासकीय

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में देखने को मिली। यहाँ शिक्षक दिवस का पर्व न केवल पारंपरिक उल्लास बल्कि एक प्रेरक नवाचार के साथ मनाया गया। विद्यालय प्रबंधन ने इस बार पूरी व्यवस्थाओं की कमान छात्र-छात्राओं को सौंपकर एक अनूठी पहल की।

प्रतिभावान छात्रा कुमारी नीतू धाकड़ के कुशल नेतृत्व में विद्यार्थियों ने न केवल मंच संभाला,



अपने मर्मस्पर्शी उद्बोधन में कहा, "बच्चे कच्ची मिट्टी के षड़े के समान होते हैं। उन्हें खेह, सुसंस्कार और कड़े अनुशासन की थाप देकर एक सभ्य, निपुण और आदर्श नागरिक के रूप में

बल्कि पूरे विद्यालय के अनुशासन और कार्यक्रम का सफल संचालन कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की।

कच्ची मिट्टी को सुघड़ आकार देता है शिक्षक- समारोह के मुख्य वक्ता एवं राजनीति विज्ञान के वरिष्ठ शिक्षक श्री अशोक कुमार राठौर ने विद्यार्थियों को जीवन की व्यावहारिक कसीटियों पर खरा उतरने का मूलमंत्र दिया। उन्होंने

गढ़ने की कला केवल शिक्षक के पास होती है।+ श्री राठौर ने छात्रों को प्रेरित करते हुए आगे कहा कि शिक्षक का दायित्व केवल मार्ग दिखाना है, लेकिन उन पथ पर चलकर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करना स्वयं छात्र के पुरुषार्थ और उसकी इच्छाशक्ति पर निर्भर करता है। आपकी कड़ी मेहनत और उज्ज्वल चरित्र ही इस शिक्षण संस्थान और देश का गौरव बढ़ाएगा।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने शतरंज प्रतियोगिता के विजेताओं को किया पुरस्कृत

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने शर्मा चैस एकेडमी, खण्डवा द्वारा आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के समापन अवसर पर रविवार को विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किये। उन्होंने सीनियर वर्ग के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान की।

इस शतरंज प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में जिया मंसूरी और जूनियर वर्ग में आर्यन सिंह सोलंकी ने सर्वाधिक अंक अर्जित कर जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा जमाया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री गुप्ता ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने खण्डवा में शतरंज खेल के विकास के लिए मुख्य प्रशिक्षक श्री सुनील शर्मा के निरंतर प्रयासों की सराहना की और खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास करते हुए अपने खेल में निरंतर सुधार करने के लिए प्रेरित किया।

उल्लेखनीय है कि सीनियर वर्ग में प्रथम जिया मंसूरी, द्वितीय अश्वय सिंह तोमर, तृतीय स्वरित राठौर, चतुर्थ आर्यन सिंह सोलंकी एवं पंचम एकांश श्रीमाली रहे। जबकि जूनियर वर्ग में प्रथम आर्यन सिंह सोलंकी, द्वितीय



शिर्वाक सैनी, तृतीय उत्कर्ष पाल रहे। शर्मा चैस अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक एवं अंतरराष्ट्रीय अंपायर श्री सुनील शर्मा ने बताया कि खण्डवा में शतरंज खेल को प्रोत्साहित करने तथा खिलाड़ियों को प्रतियोगी

उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दो दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 28 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन स्विस लीग पद्धति से चार चकों में किया गया। शनिवार को जूनियर वर्ग तथा रविवार को सीनियर वर्ग के मुकाबले आयोजित किए गए। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः 500, 300 एवं 200 रुपये की नगद राशि तथा ट्रॉफी प्रदान की गई। प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संभव कराने में आर्बिटर अर्पित गुप्त एवं स्वरित राठौर तथा टेक्निकल डायरेक्टर श्री अश्वय सिंह तोमर सहित पूरी तकनीकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भादवामाता में 70 राष्ट्र निर्माताओं का भव्य सम्मान, ऋषि परंपरा का अनुसरण कर युवाओं को संस्कारवान बना रहे शिक्षक: दीक्षित भादवामाता में गुंजी गुरु महिमा- 70 सेवानिवृत्त व सेवारत शिक्षक शीलड और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भादवामाता।धार्मिक नगरी भादवामाता स्थित गुर्जरगोड ब्राह्मण धर्मशाला में शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर गुरु महिमा का अनूठा संगम देखने को मिला। भारतीय मानव अधिकार सकार ट्रस्ट एवं मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग (जिला नीमच) के संयुक्त तत्वाधान में एक गरिमामयी शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में अपना जीवन समर्पित करने वाले क्षेत्र के 70 सेवानिवृत्त और सेवारत शिक्षक- शिक्षिकाओं को शीलड व प्रशस्ति पत्र देकर मुख्य अतिथियों द्वारा भावभीना सम्मान किया गया।

यह सफल आयोजन दोनों संस्थाओं के जिला अध्यक्ष द्वय ओमप्रकाश पुरोहित



(सांडिया) एवं हरीश शर्मा (सिंगोली) के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

शिक्षक ही समृद्धता है देश का भूगोल और अर्थव्यवस्था- समारोह के मुख्य अतिथि एवं मंदसौर के भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने अपने उद्बोधन में शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता बताते हुए कहा, "हमारे प्राचीन ऋषि-मुनियों ने जो ज्ञान और

सामाजिक संस्कार हमें सौंपे थे, आज से शिक्षक उसी गौरवशाली परंपरा का अनुसरण कर देश की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बना रहे हैं। किसी भी छात्र में नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सबसे बड़ा दायित्व शिक्षक का ही होता है। शिक्षक ही वह धुरी है जो देश की अर्थव्यवस्था, भूगोल और इतिहास को भली-भांति

समझकर समाज को सही दिशा देता है। जीवन में अपनाएं तीन मूल मंत्र- प्रो. जोशी- विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर संजय जोशी ने भारतीय संस्कृति के वैज्ञानिक और व्यावहारिक पक्ष को उजागर करते हुए कहा कि हमारे ऋषि-मुनि शिल्प कला और वास्तु कला सहित सभी 18 कलाओं के ज्ञाता थे। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से जीवन में तीन बातें अपनाने का आह्वान किया-पहली, दिमाग में हमेशा संस्कारवान बातें

बिठाएं, दूसरी, कभी किसी के मन को ठेस

न पहुंचाएं और तीसरी, अपने हाथों से

सदैव पीड़ित मानवता की सेवा करें।

इस प्रेरक प्रसंग के बीच प्रो. जोशी ने धर्मशाला में ट्रस्टी बनने की सहर्ष घोषणा भी की। वहीं विजयपुर के सरपंच श्यामलाल शर्मा ने जोर देकर कहा कि आने वाली पीढ़ियों को ज्ञानवान बनाना केवल

शिक्षकों का ही नहीं, बल्कि हम पूरे समाज का सामूहिक उत्तरदायित्व है। शासकीय विद्यालयों का बढ़ा गौरव, 55वें से अधिक बच्चे + ग्रेड मेंसमारोह के दौरान शासकीय विद्यालयों की बदलती तस्वीर पर बात करते हुए शिक्षक अवकाशप्रसाद जोशी ने गर्व से कहा कि आज सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में शिक्षा का स्तर निजी स्कूलों से भी बेहतर हो चुका है। यही कारण है कि जिले के 55 प्रतिशत से अधिक बच्चे उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 'A+' (ए प्लस) ग्रेड में उत्तीर्ण हो रहे हैं।इसके साथ ही पंडित गोविंद उपाध्याय ने कहा कि सच्चा ज्ञान केवल वही प्राप्त कर सकता है जिसके मन में गुरु के प्रति गहरी श्रद्धा हो। प्रहलाद पुरोहित ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के आदर्श जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला, जबकि श्रीमती कुसुम शर्मा ने

शिक्षकों द्वारा दिए गए नैतिक मूल्यों को दैनिक जीवन में ढालने की अपील की। दूसरों का भविष्य संवारने की पहली सीढ़ी है शिक्षक- पुरोहित

गुर्जरगोड ब्राह्मण धर्मशाला के अध्यक्ष बद्रीलाल पुरोहित ने भावुक शब्दों में कहा कि एक शिक्षक की ऐसी निरव्याह मार्गदर्शक होता है जो अपने खुद के सपनों को पीछे छोड़कर, अपने विद्यार्थियों के स्वर्णिम भविष्य को संवारने की पहली सीढ़ी बनता है।

इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक, शिक्षाविद और समाजजन उपस्थित थे। पूरे गरिमामयी कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन गोपाल पंचगिर्या ने किया तथा अंत में उपस्थित सभी अतिथियों व आंगतुकों का आभार घनश्याम पुरोहित ने व्यक्त किया।

